आज का सुविचार
यह मत समझो कि हम कभी नहीं गिरेंगे।
- महाभारत

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-30 भोपाल, शनिवार 11 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग
मार्गशीर्ष कृष्णा नवमी, शनिवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:42/5:34
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	45 %
वायु (किमी/घं.)	11
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 49,400

शेयर सूचकांक

बीएसई	58786.67	-20.46
निफ्टी	17511.30	-5.55

भोपाल सबसे ज्यादा संक्रमित : राजधानी में फिर 8 केस, प्रदेश के 154 एक्टिव केस में आधे यहीं पर; इंदौर में 3 बच्चे संक्रमित मिले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में 24 घंटे में कोरोना के 15 नए केस मिले हैं। सबसे ज्यादा 8 केस भोपाल से हैं। इंदौर में 3, जबलपुर, अलीराजपुर, अनूपपुर और शहडोल में 1-1 पॉजिटिव आया है। प्रदेश में इस समय 154 एक्टिव केस हैं। इनमें से आधे यानी 75 केस भोपाल के ही हैं। ऐसे में चिंता बढ़ी हुई है, क्योंकि ब्रिटेन और कनाडा से लौटे 2 संक्रमित ओमिक्रॉन संदिग्ध हैं, जो हॉस्पिटल में भर्ती हैं। इनकी जीनोम सीक्वेंसिंग रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रदेश में 1 से 9 दिसंबर के बीच कुल 136 केस आ चुके

हैं। इनमें भोपाल और इंदौर ऐसे दो जिले हैं, जहां पर सबसे ज्यादा पॉजिटिव केस मिले हैं। 9 दिन में भोपाल में 62 और इंदौर में 44 मामले सामने आ चुके हैं। इन 44 केसों में 3 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सिंगरौली आदि जिलों में भी नए संक्रमित मिल चुके हैं।

भोपाल में संक्रमितों की कॉन्टैक्ट और ट्रैवल हिस्ट्री की जांच

भोपाल में पिछले 24 घंटे के भीतर 5219 कोरोना टेस्ट हुए। इनमें से 8 पॉजिटिव मिले। जिनकी कॉन्टैक्ट और ट्रैवल हिस्ट्री के बारे में स्वास्थ्य विभाग पता लगा रहा है। वहीं, भोपाल में 75 एक्टिव केस हैं। इनमें 40 होम आइसोलेट हैं और 35 संक्रमित हॉस्पिटल में भर्ती हैं। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते जिला प्रशासन वैक्सीन के सेकेंड डोज पर फोकस कर रहा है। जिन लोगों को तय अवधि में भी सेकेंड डोज नहीं लग पाई है, उन्हें जल्द डोज लगवाने की समझाइश दी जा रही है। भोपाल में लगातार मिलते केस को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी चिंता जता चुके हैं।

इंदौर में 48 एक्टिव केस

इंदौर में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3 नए पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। दिसम्बर के 9 दिन में संख्या 44 हो गई है। गुरुवार को 4 लोगों को ठीक होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 48 हो गई है। मरीजों में 3 बच्चे भी शामिल हैं। पूरी खबर पढ़िए

प्रदेश में 63 हजार से ज्यादा टेस्ट

मध्यप्रदेश में गुरुवार को 63 हजार 860 कोरोना टेस्ट किए गए। इनमें 15 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इन्हें मिलाकर एक्टिव केस 154 हो गए हैं। प्रदेश में अब तक 7 लाख 93 हजार 314 पॉजिटिव मिल चुके हैं। इनमें से 7 लाख 82 हजार 631 मरीज ठीक हो चुके हैं। कोरोना से अब तक 10 हजार 529 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदेश में रिकवरी रेट 98.65 फीसदी और पॉजिटिविटी रेट 0.02 फीसदी है।

साजिश की खबरों पर वायुसेना की अपील : आईएएफ ने ट्वीट कर कहा-
ट्राई सर्विस इंक्वायरी की रिपोर्ट का इंतजार करें, सच सबके सामने होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कुन्नूर हेलिकॉप्टर हादसे में साजिश की आशंका जाहिर कर रहे लोगों से भारतीय वायुसेना ने अपील की है। आईएएफ ने कहा है कि हमने इस हादसे की ट्राई सर्विस इन्क्वायरी शुरू कर दी है। जांच तेजी से चल रही है और उसके बाद फैक्ट सामने आ जाएंगे। आईएएफ ने कहा कि तब तक शहीदों की खातिर बेवजह के अंदाजों से बचना चाहिए। आईएएफ का इशारा उन रिपोर्ट्स की तरफ था, जिनमें आशंका जाहिर की गई है कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत का हेलिकॉप्टर हादसे नहीं, बल्कि किसी साजिश का शिकार हुआ है।

हेलिकॉप्टर हादसे की जांच किसे सौंपी गई, रिपोर्ट कब तक आएगी?

ट्राई सर्विस इन्क्वायरी एयर मार्शल मानवेंद्र सिंह की अगुआई में की जाएगी। सिंह इंडियन एयर फोर्स की ट्रेनिंग कमांड के कमांडर हैं और वे खुद भी हेलिकॉप्टर पायलट हैं। इस जांच दल में तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही टेक्निकल टीम भी शामिल होंगी। जांच हादसे के दिन यानी 8 दिसंबर को ही शुरू हो गई थी। आईएएफ ने तारीख नहीं बताई, लेकिन यह कहा है कि जांच के नतीजे जल्द ही सामने आएंगे।

आईएएफ को ऐसी अपील आखिर क्यों करनी पड़ी?

पहली वजह: कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि जनरल रावत का हेलिकॉप्टर हादसे का नहीं, बल्कि साजिश का शिकार हुआ है। सेना के कई रिटायर्ड अफसरों और खुद भाजपा के सांसदों ने हादसे पर सवाल उठाया है। भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा है कि सेना के बड़े अफसर की हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत की घटना अपने ही देश में हुई है। उस हेलिकॉप्टर को चलाने वाला स्टाफ मिलिट्री का ही था। इसलिए मेरा कहना है कि मिलिट्री पर कोई दबाव नहीं आना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि जो तथ्य हैं उन्हें दबा दिया जाए या जो आधार हैं, उन पर अंकुश लगा दिया जाए। इस जांच के लिए ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो सेना से नहीं हो और सरकार के अधीन भी न हो, वह केवल सुप्रीम कोर्ट का जज ही हो सकता है।

दूसरी वजह: जनरल रावत की तरह ही एक साल पहले ताइवान के मिलिट्री चीफ भी विमान हादसे में मारे गए थे। सोशल मीडिया पर कई एक्सपर्ट ने दोनों घटनाओं को जोड़ते हुए कहा कि रावत के हेलिकॉप्टर क्रैश के पीछे चीन का हाथ हो सकता है, क्योंकि रावत चीन को हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब देते थे। ताइवान के मिलिट्री चीफ ऑफ जनरल स्टाफ जनरल शेन यी मिंग भी चीन के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार कर रहे थे।

कॉन्स्पिरेसी थ्योरी में कितना दम?

भारतीय सेना में 35 साल सर्विस देने वाले रिटायर्ड ब्रिगेडियर सुधीर सावंत ने बातचीत में दावा किया था कि जिस इलाके में हादसा हुआ, वहां के लोगों का भी LTTE को भरपूर समर्थन रहा है। ऐसे में पूरी आशंका है कि CDS का हेलिकॉप्टर क्रैश एक साजिश के तहत किया गया हमला हो, जिसमें LTTE के स्लीपर सेल शामिल हों। अगर ये हमला हुआ तो इसमें ISI का भी LTTE को समर्थन और सहयोग हो सकता है।

अब तक की जांच में क्या मिला?

1. एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने हादसे वाली जगह का निरीक्षण किया।
2. हादसे के अगले दिन दुर्घटना वाली जगह से हेलिकॉप्टर का ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया।
3. हेलिकॉप्टर में लगा कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर भी हासिल किया जा चुका है।

ब्रिगेडियर लिड्डर को अंतिम विदाई : मुखाग्नि देकर बेटी बोली- पापा मेरे हीरो थे, लेकिन शायद यही किस्मत थी

नईदिल्ली। तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में CDS जनरल बिपिन रावत के साथ जान गंवाने वाले उनके सलाहकार ब्रिगेडियर एल.एस. लिड्डुर का दिल्ली कैंट के बराड़ स्क्वायर में अंतिम संस्कार कर दिया गया। देश के इस जांबाज सिपाही के अंतिम संस्कार की तस्वीरें जिसने देखीं, अपने आंसू रोक नहीं पाया। अंतिम संस्कार के समय लिड्डुर की पत्नी बार-बार उनके ताबूत को चूमकर रोती रहीं। इसके बाद लिड्डुर की बेटी ने अपने बहादुर पिता को मुखाग्नि दी। ब्रिगेडियर लिड्डुर की पत्नी गीतिका ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा नुकसान है, लेकिन मैं एक सैनिक की पत्नी हूं। हमें उन्हें हंसते हुए एक अच्छी विदाई देनी चाहिए। जिंदगी बहुत लंबी है, अब अगर भगवान को ये ही मंजूर है, तो हम इसके साथ ही जिएंगे। वे एक बहुत अच्छे पिता थे, बेटी उन्हें बहुत याद करेगी। इसके बाद वे पूरे समय तिरंगे को सीने से लगाकर खड़ी रहीं। ब्रिगेडियर लिड्डर की बेटी आशना ने कहा, मैं 17 साल की होने वाली हूं, मेरे पिता मेरे साथ 17 साल तक रहे। हम उनकी अच्छी यादों के साथ जिएंगे। मेरे पिता हीरो थे, वे मेरे बेस्ट फ्रेंड थे। शायद किस्मत को यही मंजूर था। उम्मीद करते हैं कि भविष्य में अच्छी चीजें हमारी जिंदगी में आएंगी। मेरे सबसे बड़े मोटिवेटर थे।

पश्चिम बंगाल में IT का सर्च ऑपरेशन, 250 करोड़ रुपए की फर्जी खरीद का खुलासा

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने पश्चिम बंगाल में कई ग्रुप्स पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान IT को करीब 250 करोड़ रुपए की फर्जी खरीद का पता चला है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बताया कि IT ने 7 दिसंबर को रिफाइंड लेड, लेड एलॉय और लेड ऑक्साइड के 2 प्रमुख निर्माताओं और सप्लायर्स के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के तहत 53 लाख रुपए की ज्वैलरी जब्त की गई है। वहीं, 4 बैंक लॉकर्स की जांच जारी है।

मेक्सिको में प्रवासियों से भरा ट्रक दूसरे ट्रक से टकराया; 53 लोगों की मौत, 54 घायल

मेक्सिक। साउथ मेक्सिको के तुक्स्टला गुटिरेज शहर के पास प्रवासियों से भरे एक ट्रक को दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक में मध्य अमेरिका के 100 से अधिक प्रवासी सवार थे। इस दर्दनाक हादसे में 53 लोगों की मौत हो गई और 54 घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, घायलों में 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

निकारागुआ ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़े; ताइवान को बताया चीन का हिस्सा

निकारागुआ। निकारागुआ की सरकार ने गुरुवार को ताइवान के साथ अपने राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि हमारी सरकार मानती है कि दुनिया में केवल एक ही चीन है। उन्होंने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ही पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करती है।

गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने लोगों की जन समस्याएं सुनी, हुआ स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा चार दिवसीय दतिया दौरे के दौरान दतिया निवास पहुंचे जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का जोरदार स्वागत किया इस दौरान जन समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों के बीच जाकर गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने लोगों की जन समस्याएं सुनी एवं उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया इस दौरान दतिया जिले से बीजेपी पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर गृहमंत्री ने कोविट टीकाकरण लेकर विशेष चर्चा की जिसको टीका नहीं लगा है वो टीका लगवाएं जन जन तक संवाद करें प्रशासन का सहयोग करें।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

भोपाल की 187 पंचायतों में होंगे चुनाव
13 दिसंबर से भरे जाएंगे नामांकन, फंदा-बैरसिया में 23 जगह तय; जनपद-जिपं सदस्य के लिए अलग व्यवस्था

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 9 जिलों में पहले चरण में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव होंगे। यहां पर 13 दिसंबर से नामांकन भरे जाएंगे। सरपंच-पंच के लिए अलग-अलग सेक्टर तय किए गए हैं तो जनपद सदस्य के एसडीएम-तहसील ऑफिस और जिला पंचायत सदस्य के लिए कलेक्टोरेट में नामांकन की प्रोसेस की जाएगी। जिपं सदस्य के लिए ऑनलाइन नामांकन भी दाखिल किए जा सकेंगे। भोपाल जिले के फंदा-बैरसिया जनपद की कुल 187 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। सरपंच और पंच पदों के लिए

13 दिसंबर से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया, जो 20 दिसंबर तक चलेगी

3.17 लाख मतदाता करेंगे मतदान

566 मतदान केंद्र पर होगी वोटिंग

नामांकन फार्म लेने या जमा करने के लिए 23 जगह तय की गई है। जनपद के लिए एसडीएम ऑफिस में व्यवस्था रहेगी तो जिपं सदस्य के नामांकन कलेक्टोरेट से भरे जाएंगे। बैरसिया एसडीएम राजीवनंदन श्रीवास्तव ने बताया, सरपंच और पंच के नामांकन पत्र लेने और जमा करने के लिए 11 सेक्टर बनाए गए हैं। यहां पर एआरओ बैठेंगे। जनपद सदस्य के लिए एसडीएम ऑफिस में नामांकन लिए जाएंगे।

भोपाल-इंदौर समेत इन 9 जिलों में एक ही दिन मतदान

नौ जिलों में एक ही चरण में वोटिंग होगी। यानि एक ही दिन में प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। ये नौ जिले भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, निवाड़ी, अलीराजपुर, पन्ना, नरसिंहपुर, हरदा और दतिया हैं।

प्रथम चरण के चुनाव के लिए 13 दिसंबर 2021 से नामांकन पत्र मिलेंगे। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर रहेगी।

पत्रों की जांच 21 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे से होगी।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC JOB आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as “BHOOMI PAL”. This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/ 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex, 10x11 fts, ground floor, DIG Bungalow, Berasia Road, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

To let Shop:
Inside Complex, 10x14 fts, ground floor, Arera Colony, 10 No Market, Bhopal
Mb 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर
जनरल बिपिन रावतः हवाएं खुद तुम्हारा तराना गाएंगी

प्रशंसा और चापलूसी से दूर रहने वाले अप्रतिम योद्धा एवं तीनों सेनाओं के समन्वयक (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) बिपिन रावत ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा था कि 'खामोशी से बनाते रहो पहचान अपनी, हवाएं खुद तुम्हारा तराना गाएंगी।'

तमिलनाडू में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहादत के बाद बिपिन रावत की उपलब्धियों के तराने पूरा देश गा रहा है। जनरल रावत भारतीय सेना के तीनों अंगों को नवीनतम तकनीक और शक्तिशाली हथियारों के साथ 21वीं सदी में ले जाने के सपने देखते रहे। इसीलिए उन्होंने सेना की प्रतिरक्षात्मक संरचना में अनेक बदलाव किए और सेना को सांगठनिक रूप से मजबूती दी। उनकी सैन्य बल

संबंधी परिकल्पनाओं को परिणाम तक पहुंचाने के लिए ही थल, वायु और नभ सेनाओं में समन्वय बनाए रखने की दृष्टि से सीडीएस का पद भारत सरकार ने सृजित किया और इसकी दो साल पहले जिम्मेदारी जनरल बिपिन रावत को सौंपी। इस चुनौती को न केवल उन्होंने स्वीकारा, बल्कि गरिमा भी प्रदान की।

दरअसल सीमांत इलाकों में पड़ोसी देशों की भारत में आतंक और अराजकता फैलाने की जो मंशा आजादी के समय से ही रही है, उसके लिए ऐसे पद की संरचना जरूरी थी। हालांकि इस पद की जरूरत कारगिल युद्ध के समय से ही की जाने लगी थी। अभी तक तीनों सेनाएं स्वतंत्र फैसला लेने की अधिकारी थीं। इस कारण युद्ध के समय त्वरित और परस्पर सहमति से फैसले नहीं हो पाने के कारण विसंगतियों का सामना मैदान में काम करने वाले सैनिकों को भुगतना होता था। इस नाते दो लक्षित हमले (सर्जिकल स्ट्राइक) म्यांमार और पीओके में सफलतापूर्वक किए। अनर्गल प्रलाप करने वाले नेताओं को भी रावत लताड़ते रहे हैं।

थल सेना अध्यक्ष रहने के दौरान बिपिन रावत ने राजनेताओं को सीख देकर खलबली मचा दी थी। रावत ने दिल्ली में आयोजित एक स्वास्थ्य सम्मेलन में कहा था, 'नेता वे नहीं, जो लोगों को गलत दिशा में ले जा रहे हैं, ये अनेक शहरों में भीड़ को आगजनी और हिंसा के लिए उकसा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'नेता वही हैं, जो आपको सही दिशा में ले जाएं। आपको सही सलाह दें एवं आपकी देखभाल सुनिश्चित करें।'

रावत ने ऐसा एनआरसी, सीएए एवं एनपीआर के विरोध में देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे तथा पुलिस व सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी का नेतृत्व कर रहे विपक्षी दलों के नेताओं के परिप्रेक्ष्य में कहा था। सेना प्रमुख की इन दो टूक बातों ने युवाओं को गुमराह कर रहे नेताओं को सबक सिखाने का काम किया था। वे रावत ही थे, जिन्होंने कश्मीर के उन पत्थरबाज युवाओं को भी ललकारा था, जो सुरक्षाबलों पर पत्थर बरसाने से बाज नहीं आ रहे थे। उन्होंने कड़ा संदेश देते हुए कहा था, 'जो लोग पाकिस्तान और आईएस के झंडे लहराने के साथ सेना की कार्यवाही में बाधा पैदा करते हैं, उन युवकों से कड़ाई से निपटा जाएगा।'

इस बयान को सुनकर कथित मानवाधिकारवादियों ने बिपिन रावत की खूब आलोचना की थी। कांग्रेस और पीडीपी नेता भी इस निंदा में शामिल थे। उन्हें हिदायत दी गई कि सेना को सब्र खोने की जरूरत नहीं है। किंतु इस बयान के परिप्रेक्ष्य में ध्यान देने की जरूरत थी कि सेनाध्यक्ष को इन कठोर शब्दों को कहने के लिए कश्मीर में आतंकियों ने एक तरह से बाध्य किया था। घाटी में पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकियों के हाथों शहीद होने वाले सैनिकों की संख्या 2016 में सबसे ज्यादा थी। इन्हीं हालात से पीड़ित होकर जनरल रावत को दो टूक बयान देना पड़ा था।

रावत के इस बयान के बाद जब अलगाववादियों और पत्थरबाजों पर शिकंजा कसा तब देखने में आया कि कश्मीर में आतंक की घटनाएं घटती चली गई। इस परिप्रेक्ष्य में रावत ऐसे विरले सेनानायक रहे हैं, जो घाटी में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी घटनाओं पर मुखर प्रतिरोध जताते रहे। चीन की पूर्वोत्तर क्षेत्र डोकलाम में घुसपैठ को नियंत्रित करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। इसी तरह पांच अगस्त 2019 को जब जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और 35-ए को हटाने की संसद में कार्यवाही की गई थी तब भी घाटी में शांति कायम रखने में उनकी अहम भूमिका रही थी। इन्हीं कामयाबियों के चलते उन्हें जनवरी-2020 में सरकार ने सीडीएस की कमान सौंपी थी। 1999 में कारगिल युद्ध के बाद बनी समिति के सुझाव पर करीब 21 साल बाद यह फैसला नरेंद्र मोदी सरकार ने लिया था।

इसमें दो राय नहीं कि बिपिन रावत पाक प्रायोजित आतंकवाद, चीन की आक्रामकता और अफगानिस्तान के हालत से उपजी चुनौतियों का बेखौफ होकर सामना करने में लगे रहे। वे दो-दो सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम तक पहुंचा पाए। जनरल रावत के नेतृत्व में पहला लक्षित हमला म्यांमार में घुसकर किया गया और दूसरा पाकिस्तान के विरुद्ध पीओके एवं बालाकोट में किया गया। जिसके बाद पाक अधिकृत कश्मीर में युवाओं को आतंकवादी बनाने के प्रशिक्षण शिविर लगभग खत्म हो गए। इन हमलों के जरिए उन्होंने साहसिक और देश का सैन्य गौरव बढ़ाने का काम किया।

सीडीएस बिपिन रावत की शहादत के साथ ऐसा बहुआयामी प्रतिभा का धनी सैनिक देश से चला गया, जो सेना को 21वीं सदी में होने वाली लड़ाई के लिए सेना को सक्षम बनाने में लगा था। हाल ही में उन्होंने कोरोना ओमिक्रॉन के बारे में कहा था कि यह वायरस जैविक युद्ध के लिए तैयार किया गया विषाणु भी हो सकता है, इसलिए इससे सामना करने के लिए सेनाएं तैयार रहें। इस शूरवीर को विनम्र नमन एवं श्रद्धांजलि।

न्यूज ब्रीफ

ट्विटर पर दिखा हैशटैग का रुझान

नई दिल्ली। हैशटैग का एक साल। वर्ष 2021 पर नजर डालने के कई तरीकों में से एक तरीका यह भी है। कई हैशटैग ने साल के खास लम्हों को अख्तियार किया है, जो अब खत्म होने जा रहा है। ट्विटर के मुताबिक 1 जनवरी से 15 नवंबर के बीच हैशटैग कोविड-19, हैशटैग फार्मर्सप्रोटेस्ट, हैशटैग टीमइंडिया, हैशटैग टोक्यो2020, हैशटैग आईपीएल 2021, हैशटैग इंडियावर्सजइंगलैंड, हैशटैग दीवाली, हैशटैग मास्टर, हैशटैग बिटकॉइन और हैशटैग परमिशनटुडांस भारत में वर्ष 2021 के सबसे ज्यादा ट्वीट किए गए हैशटैग थे। कई चीजों - कुछ अच्छी, कुछ बुरी और कई दुखभरी, का केंद्र रही यह माइक्रोब्लॉगिंग साइट लोगों के लिए कोविड-19 की हेल्पलाइन बन गई थी, खास तौर पर भारत में वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान। क्रिकेट और मनोरंजन के संबंध में नवीनतम बातों के लिए यह बेहतरीन प्लेटफॉर्म भी रहा। क्रिकेट खिलाडियों और उनकी कमेंट्री ने ट्विटर पर साफ तौर पर कोलाहल पैदा किया। भारत में कोविड-19 की राहत के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पैट कमिंस (एटदरेटपैटकमिंस30) के दान के संबंध में उनका ट्वीट सबसे ज्यादा रीट्वीट किया जाने वाला ट्वीट बना। बुधवार तक इसे 1,35,900 से अधिक बार रीट्वीट किया जा चुका था। करीब 22,000 की संख्या के साथ यह भारत का शीर्ष कोट ट्वीट भी रहा। विराट कोहली (एट दरेट आई एम कोहली) द्वारा 11 जनवरी को उनकी बेटी के जन्म की घोषणा वाला उनका ट्वीट 5,38,000 से ज्यादा लाइक के साथ सबसे ज्यादा पसंद किया गया। हालांकि भारत में शीर्षस्थ हैशटैग हैशटैग कोविड-19 था, क्योंकि देश वैश्विक महामारी की दूसरी घातक लहर से जूझ रहा था। लोगों ने जानकारी और मदद दोनों के ही लिए ट्विटर का रुख किया।

निफ्टी की आय में होगा 17 फीसदी का इजाफा : क्रेडिट सुइस

नई दिल्ली। क्रेडिट सुइस ने कहा है कि वित्त वर्ष 22 और वित्त वर्ष 24 के बीच निफ्टी की आय में सालाना 17 फीसदी की बढ़ोतरी होगी और वित्तीय क्षेत्र के शेयर इसमें सबसे ज्यादा योगदान करेंगे। वित्त वर्ष 12 और वित्त वर्ष 19 के बीच महज 4 फीसदी की सुस्त रफ्तार को देखते हुए निफ्टी की आय में यह बढ़ोतरी काफी अहम रहेगी। क्रेडिट सुइस के उप-प्रमुख (इक्विटी रणनीति-एशिया प्रशांत) और भारतीय इक्विटी रणनीतिकार नीलकंठ मिश्रा ने कहा, वित्त वर्ष 12 से वित्त वर्ष 19 के बीच हमने विस्तृत नरमी देखी और बैंकों की बैलेंस शीट ठीक हुई, रियल एस्टेट में सुस्ती आई, वैश्विक जेनेरिक्स में जरूरत से ज्यादा आपूर्ति हुई और दूरसंचार का मार्जिन कमजोर र हा। इनमें से कई प्रवृत्ति अब बदल रही है। आय में सुधार के लिए वित्तीय कंपनियां अहम रहेंगी, जिन्हें वित्त वर्ष 19-24 के दौरान निफ्टी के ईपीएस में करीब आधे का योगदान करना होगा।

पारदर्शिता पर फोकस : मेटा और इंस्टाग्राम के विज्ञापन पर कसी गई लगाम, अब देने होंगे डिस्क्लेमर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मेटा और इंस्टाग्राम पर दिए जाने वाले कुछ विज्ञापनों पर लगाम लगाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अब कुछ विशेष कैटेगरी के विज्ञापनों के लिए आपको डिस्क्लेमर भी साथ में देना होगा।

- इनमें राजनीति, सामाजिक, आर्थिक और अपराध हैं
- हेल्थ, गवर्नेंस, सुरक्षा और विदेश भी इसमें होंगे
- इसी महीने से अथरॉइजेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है

पारदर्शिता लाने की कोशिश

मेटा के मुताबिक, इसके जरिए लोगों के लिये ज्यादा पारदर्शिता लाने की कोशिश है। साथ ही चुनावों के मद्देनजर ईमानदारी के प्रयासों को बढ़ाने की भी तैयारी है। मेटा ने भारत में सामाजिक मुद्दों वाले विज्ञापनों पर प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) के लॉन्च की घोषणा की है। इसी महीने से इसे शुरू भी कर दिया गया है। इसके मुताबिक, फेसबुक और इंस्सीडीएस टाग्राम पर सामाजिक मुद्दों पर विज्ञापन चलाने वाले हर व्सीडीएस यक्ति का अथरॉइज्ड होना जरूरी होगा। उसे अपने विज्ञापनों पर डिस्सीडीएस क्सीडीएस लेमर को शामिल करना होगा। इस प्रकार लोग इन विज्ञापनों को चलाने वाले व्सीडीएस यक्ति या संस्सीडीएस था का नाम देख सकेंगे।

सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर निवेश

पिछले कुछ सालों में मेटा ने चुनावों की बेहतर सुरक्षा, और लोगों को वोट देने और विभिन्न धारणाओं को शेयर करने के लिए एक सुरक्षित प्सीडीएस लेटफॉर्म बनाने में के लिए टीमों और टेक्सीडीएस नोलॉजीज में निवेश किया है। मेटा का मानना है कि तमाम तरह के भाषण चुनाव स्थल पर लोगों के मत पर प्रभाव डालते हैं। इनमें वे विज्ञापन शामिल हैं, जो सामाजिक मुद्दों, चुनावों या राजनीतिक नीति वाले होंगे। साथ ही महत्सीडीएस वपूर्ण विषयों पर चर्चा, बहस या वकालत या विरोध भी इन विज्ञापनों में शामिल होंगे। यह एनफोर्समेंट सामाजिक मुद्दों के 9 विषयों पर आधारित विज्ञापनों पर लागू होगा। इसमें पर्यावरण की राजनीति, अपराध, अर्थव्सीडीएस यवस्सीडीएस था, स्सीडीएस वास्थ्य, राजनीति शामिल होगी। साथ ही गवर्नेंस, सिविल एवं सोशल राइट्स, इमिग्रेशन, शिक्षा एवं सुरक्षा और विदेश नीति भी इसके दायरे में होगी।

पहचान और जगह की जानकारी देनी होगी

भारत में इस प्रकार के विज्ञापन चलाने के इच्सीडीएस छुक किसी भी व्सीडीएस यक्ति को सबसे पहले अपनी पहचान और जगह की पुष्टि करनी होगी। यह भी बताना होगा कि विज्ञापन के लिये किसने पेमेंट किया और किसने प्रकाशित किया है। इसमें राजनीतिक हस्तियों, राजनीतिक दलों या चुनावों का हवाला देने वाले विज्ञापन बनाने, प्रकाशित करने या रोकने वाला कोई भी व्सीडीएस यक्ति शामिल है।

चीन की कई कंपनियां मुश्किल में

रियल्टी कंपनी एवरग्रांडे ने किया डिफॉल्ट, 300 अरब डॉलर का है कर्ज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

रेटिंग एजेंसी फिच ने चीन की एवरग्रांडे कंपनी के ओवरसीज बॉन्डस को डिफॉल्ट घोषित किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि कंपनी ब्याज का पेमेंट करने में फेल हो गई है। इसे सोमवार को 8.82 करोड़ डॉलर का पेमेंट करना था, पर कंपनी इसमें असफल रही।

- एवरग्रांडे पर 128 बैंकों का कर्ज है
- चीन के 280 शहरों में 1300 प्रोजेक्ट हैं
- दिसंबर 2020 तक एवरग्रांडे की 15 लाख यूनिट्स अधूरी थी

चीन सरकार को डर, कई कंपनियां चपेट में आ सकती हैं

इस घटना से चीन सरकार को यह डर है कि इसकी चपेट में कई और सारी कंपनियां ना आ जाएं। एवग्रांडे ने 3 दिसंबर को एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि यह अपने रीस्ट्रक्चरिंग प्लान के तहत ऑफशोर क्रेडिट देने वालों के साथ एक्टिवली इंगेज होगा। जानकारी के मुताबिक, सोमवार को आखिरी डेडलाइन निकल जाने के बावजूद एवरग्रांडे ने कुछ अमेरिकी डॉलर बान्ड पर बकाया पेमेंट नहीं किया। इससे ये डिफॉल्ट हो गई। पिछले शुक्रवार को, एवरग्रांडे ने अपने गृह प्रांत ग्वांगडोंग की सरकार से मदद मांगी थी। इसके बदले सरकार कंपनी के मुद्दों का आंकलन करने और मदद करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप भेजने पर सहमत हुई थी।

और ज्यादा डिफॉल्ट की आशंका बढ़ी

इंटरनेशन कैपिटल मार्केट में कंपनी के लगभग 19 अरब डॉलर के बान्ड पर क्रॉस-डिफॉल्ट बढ़ने की अब आशंका और बढ़ गई है। यह प्रॉपर्टी सेक्टर और ग्लोबल इन्वेस्टर्स के विश्वास को और ज्यादा प्रभावित करेगा। एवरग्रांडे ने सोमवार को 30-दिन के ग्रेस पीरियड के आखिर तक भी डॉलर बान्ड के दो सेटों पर आम तौर 6 दिसंबर को किए जाने वाले इंटरेस्ट पेमेंट के 8.2 करोड़ डॉलर का पेमेंट नहीं किया।

ज्यादा कर्ज मेनलैंड चाइना में है

एवरग्रांडे का ज्यादातर कर्ज मेनलैंड चाइना में है, लेकिन कंपनी के पास अंतरराष्ट्रीय बान्ड में करीब 20 अरब डॉलर है। हाल के महीने में एवरग्रांडे ने ग्रेस पीरियड खत्म होने से कुछ समय पहले डॉलर बान्ड पर ओवरड्यू ब्याज पेमेंट करके कई मौकों पर चूक से बची है। कंपनी ने कैश जुटाने के लिए संपत्ति बेची है। इसके फाउंडर और शेयर होल्डर ने भी हाल ही में अपने शेयरों का एक बड़ा हिस्सा बेचा है। इन सब से कुछ लेनदारों को उम्मीद थी कि एवरग्रांडे सोमवार को अपना बकाया भुगतान करने की तैयारी कर रही थी।

मार्च तक चुकाना है 8.35 करोड़ डॉलर

एवरग्रांडे को 8.35 करोड़ डॉलर का ब्याज मार्च 2022 तक चुकाना है। वहीं, 23 सितंबर 2022 तक इसे 4.75 करोड़ रुपए ब्याज के रूप में चुकाने हैं। हाल के हफ्तों में रियल एस्टेट डेवलपर एवग्रांडे कर्ज का पेमेंट करने और नकदी जुटाने के लिए हाथ-पांव मार रहा थी। एवरग्रांडे चीन की दूसरी सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी है। इस पर 300 अरब डॉलर का कर्ज है। यह कर्ज चीन की GDP (सकल घरेलू उत्पाद) की तुलना में 2 फीसदी है। इसके पास 280 शहरों में 1300 प्रोजेक्ट हैं। हाउसिंग के अलावा एवरग्रांडे ने इलेक्ट्रिक व्हीकल, स्पोर्ट्स, थीम पार्क आदि में भी निवेश किया है। कंपनी का फूड और बेवरेजेस बिजनेस भी है। कंपनी की दिक्कतें तब शुरू हुईं, जब चीन सरकार ने हाउसिंग मार्केट का फायदा उठाने पर कड़क प्रतिबंध लागू कर दिए। इसके अलावा कंस्ट्रक्शन की बढ़ती लागत, सप्लाई की कमी और वैश्विक महंगाई भी कंपनी को संकट में लाने का कारण रही हैं।

अमेजन पर तगड़ा जुर्माना

इटालियन रेगुलेटर ने 9.6 हजार करोड़ रुपए का फाइन लगाय

» कंपनी पर चुनिंदा सेलर्स को फायदा पहुंचाने का आरोप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इटली की कॉम्पिटिशन अथॉरिटी ने गुरुवार को ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन पर 1.28 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया। रेगुलेटर का कहना है कि अमेजन ने उसके वेयरहाउस और डिलीवरी सिस्टम का इस्तेमाल करने वाले थर्ड पार्टी सेलर्स को स्पेशल सर्विसेज दी। इससे दूसरे सेलर्स को नुकसान हुआ। रेगुलेटर ने अमेजन को थर्ड पार्टी सेलर की लिस्टिंग में नॉन डिस्क्रिमिनेटरी स्टैंडर्ड अपनाने का आदेश दिया। अमेजन इन आदेशों का पालन कर रहा है या नहीं, ट्रस्टी के जरिए इस पर नजर रखी जाएगी। इटली में, एंटीट्रस्ट रेगुलेटर किसी कंपनी पर उसके एनुअल रेवन्यू का 10 फीसदी तक जुर्माना लगा सकता है।

अमेजन ने कार्रवाई को गलत बताया:- अमेजन ने रेगुलेटर की इस कार्रवाई को गलत बताया है। कंपनी अब जुर्माने के खिलाफ अपील करेगी। यदि लोअर कोर्ट अमेजन पर लगाए जुर्माने को सही मानती है तो उसके पास हायर कोर्ट में जाने का अधिकार होगा। अगर कोर्ट को लगता है कि जुर्माना बहुत ज्यादा है तो वो उसे कम भी कर सकती है।

अमेजन का मार्केट शेयर 5 गुना तक बढ़ा

एंटी ट्रस्ट रेगुलेटर की दो साल की जांच में पाया गया कि 2019 में ऑनलाइन मार्केटप्लेस में अमेजन का मार्केट शेयर अपने सबसे करीबी कॉम्पिटिटर से पांच गुना तक बढ़ा है। अब ये अंतर और भी ज्यादा हो गया है। रेगुलेटर के अनुसार 2019 में ऑनलाइन मार्केटप्लेस पर थर्ड पार्टी सेलर्स ने जितने भी प्रोडक्ट बेचे, उनकी टोटल वैल्यू का 70 फीसदी अमेजन पर बेचा गया।

अमेजन ने अपनी डॉमिनेंस का फायदा उठाया

रेगुलेटर ने कहा कि अमेजन ने अपनी इस मार्केट डॉमिनेंस का फायदा उठाते हुए उन थर्ड पार्टी सेलर्स की मदद की जो उनकी लॉजिस्टिक्स सर्विसेज का इस्तेमाल करते थे। इन सर्विसेज का इस्तेमाल करने वाले सेलर्स को प्राइम लेबल जैसे एक्सक्लूसिव बेनिफिट मिलते थे। ये उन सेलर्स के प्रोडक्ट सेल्स को बूस्ट करती थी।

अमेजन ने कार्रवाई को गलत बताया

- अमेजन जुर्माने के खिलाफ अपील करेगी
- लोअर कोर्ट के बाद हायर कोर्ट में जाने का भी अधिकार
- कोर्ट जुर्माने को कम भी कर सकती है

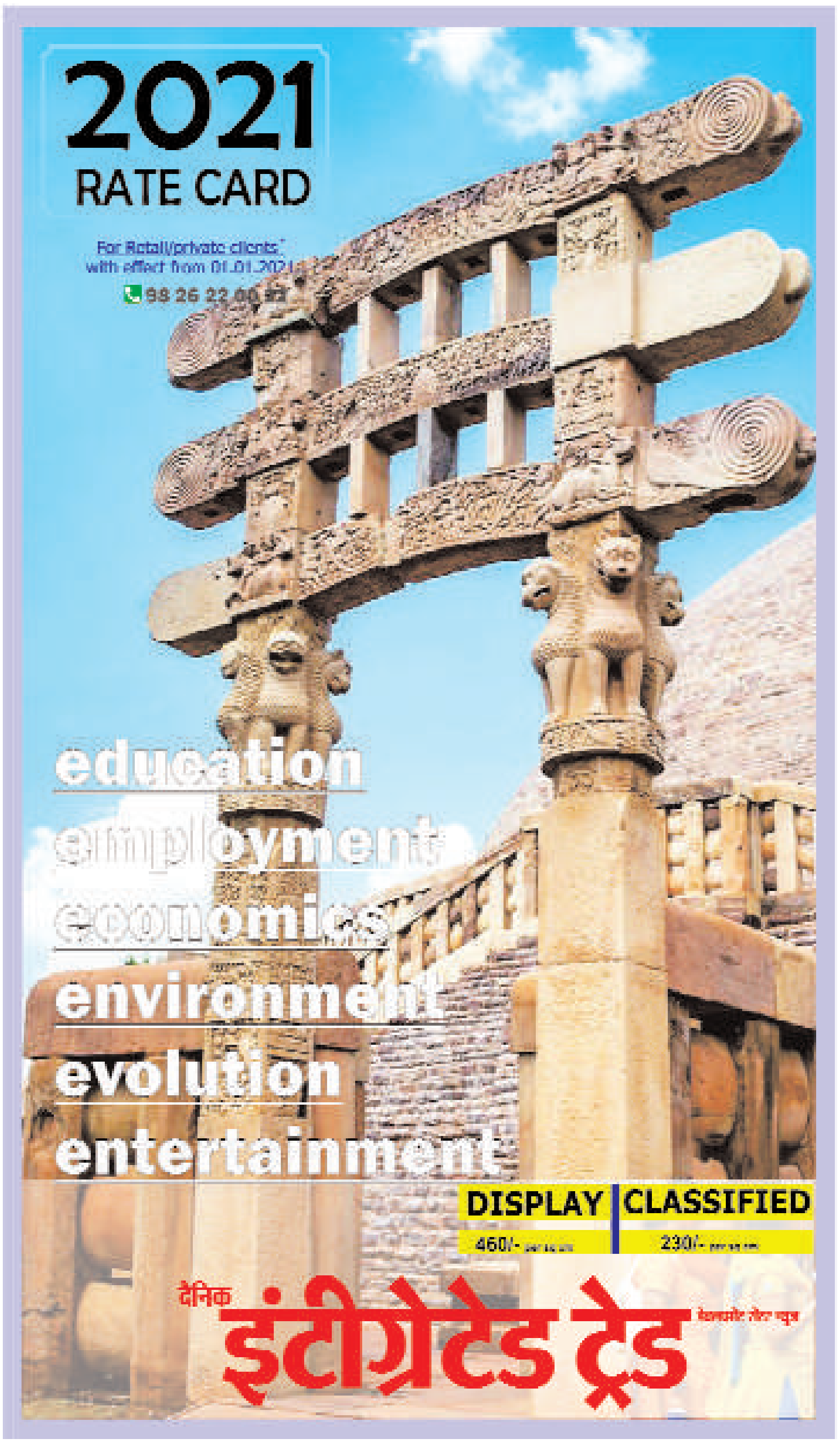

क्रिसमस से पहले गूगल का तोहफा

अपने सभी कर्मचारियों को 1.20 लाख रुपए का बोनस देगी, वर्क फ्रॉम होम भी जारी रहेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गूगल ने क्रिसमस से पहले अपने कर्मचारियों को बोनस देने का ऐलान किया है। गूगल ने बुधवार को बताया कि वह इस साल दुनियाभर के अपने सभी कर्मचारियों को एक्स्ट्रा बोनस देगी। साथ ही गूगल ने कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए अपनी रिटर्न-टू-ऑफिस स्कीम को भी पोस्टपोन कर रहा है। कंपनी के एक प्रवक्ता के मुताबिक गूगल इस महीने कंपनी में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को उनके देश में 1,600 डॉलर (लगभग 1.2 लाख रुपए) का कैश बोनस देगी।

महामारी के दौरान कर्मचारियों का सपोर्ट मिलेगा:- नया बैनिफिट गूगल के वर्क-फ्रॉम-होम अलॉवेंस और कोरोना वायरस महामारी के दौरान अपने कर्मचारियों को सपोर्ट करने के उद्देश्य से दिया जा रहा है। इससे पहले मार्च में हुए गूगल के इंटरनल सर्वे में खुलासा हुआ था कि पिछले एक साल में कंपनी अपने कर्मचारियों की देखभाल में कोताही बरत रही है। जिसके बाद कंपनी ने कर्मचारियों के लिए कई बैनिफिट का ऐलान किया, जिसमें 500 डॉलर (लगभग 37,750 रुपए) का वेलबीइंग कैश बोनस भी शामिल है।

रिटर्न-टू-ऑफिस योजना को भी टाला

पिछले हफ्ते गूगल ने ओमिक्रॉन के संक्रमण को देखते हुए अपनी रिटर्न-टू-ऑफिस योजना को टाल दिया है। इससे पहले कर्मचारियों के 10 जनवरी से ऑफिस लौटने के लिए कहा गया था। इसके लगभग 60 देशों में लगभग 85 ऑफिस हैं।

अच्छा होता पहले ही खत्म हो जाता किसान आंदोलन

आखिरकार साल भर से अधिक चले कृषि कानून विरोधी आंदोलन को खत्म करने की घोषणा कर दी गई। अच्छा होता यह काम और पहले किया जाता और विशेष रूप से कृषि कानूनों की वापसी की घोषणा के बाद। इस आंदोलन का आवश्यकता से अधिक लंबा खिंचना किसान संगठनों और सरकार के बीच के अविश्वास को ही व्यक्त करता है। आशा की जाती है कि अविश्वास की यह खाई पटेगी और सरकार, कृषि विशेषज्ञ एवं देश भर के किसानों के प्रतिनिधि आपस में विचार-विमर्श करके ऐसे निर्णयों तक पहुंचेंगे, जो खेती के साथ किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभकारी होंगे। भले ही सरकार किसान संगठनों की जिद के चलते कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए बाध्य हुई हो, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि कृषि सुधारों की आवश्यकता नहीं रह गई है। सच तो यह है कि कृषि कानूनों की वापसी के बाद यह आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। इसका आभास आंदोलन की राह पर चले किसान संगठनों को भी हो तो अच्छा। इन किसान संगठनों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी समेत जिन विषयों पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है, उन पर वैसे ही निर्णय लिए जाएंगे, जैसे वे चाह रहे हैं। उन्हें यह भी स्मरण रखना होगा कि उनके आंदोलन में देश भर के किसानों की भागीदारी नहीं थी और तमाम किसान ऐसे थे, जो कृषि कानूनों को अपने लिए उपयोगी मान रहे थे। यह सही है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए, लेकिन इसमें संदेह है कि ऐसा एमएसपी की उस व्यवस्था से हो सकेगा, जिसे बनाने की मांग किसान संगठन कर रहे हैं। एमएसपी पर जैसे गारंटी कानून की पैरवी की जा रही है, वैसा कोई कानून किसान हितों को क्षति पहुंचाने और साथ ही महंगाई बढ़ाने वाला भी साबित हो सकता है। इसी तरह यदि किसान संगठन यह चाहेंगे कि उन्हें पराली जलाने की छूट मिलती रहे तो यह न केवल कृषि के लिए नुकसानदायक साबित होगा, बल्कि पर्यावरण के लिए भी। किसान संगठन यह भी चाहते हैं कि प्रस्तावित बिजली विधेयक में किसानों पर असर डालने वाले मुद्दे बाहर रखे जाएं। इस तरह की मांगों से यही लगता है कि किसान संगठन केवल अपने हितों की चिंता कर रहे हैं। यह सही रवैया नहीं। सरकार ने किसान नेताओं की यह मांग भी मान ली है कि उन पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएंगे। इस संदर्भ में यह स्पष्ट होना चाहिए कि क्या वे मामले भी वापस लिए जाएंगे, जो गंभीर प्रकृति के थे? इस सबके साथ ही इस सवाल का भी जवाब मिलना चाहिए कि आखिर लोगों को बंधक बनाकर किए जाने वाले आंदोलन कितने सही हैं?

भले ही सरकार किसान संगठनों की जिद के चलते कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए बाध्य हुई हो, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि कृषि सुधारों की आवश्यकता नहीं रह गई है। सच तो यह है कि कृषि कानूनों की वापसी के बाद यह आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है।

संपादकीय

तृणमूल सुप्रीमो भाजपा विरोधी दलों की खो रही हैं सद्भावना

– आशीष बिस्वास

सुश्री बनर्जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर एक प्रमुख प्रस्तावक के रूप में अडानी का समर्थन किया है और कोलकाता में समूह प्रमुख गौतम अडानी के साथ बैठक की है- इस प्रक्रिया में बड़े कॉर्पोरेट क्षेत्र का विरोध करने के टीएमसी के पहले के रुख को उलट दिया है! वह अप्रैल 2022 में कोलकाता में प्रस्तावित बंगाल उद्योग शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के अलावा, 2011 में सत्ता संभालने के बाद पहली बार केंद्र व राज्य के निकट सहयोग का भी आह्वान कर रही हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के बाद, सीपीआई (एम) ने स्वीकार किया कि कुछ प्रमुख मुद्दों पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक मुश्किल, अघोषित सहयोगी के रूप में ब्रांड करना, उल्टा पड़ गया था। वाम दलों ने विपक्षी खेमे के भीतर टीएमसी को ट्रोजन हॉर्स के रूप में देखा। उन्होंने मजदूर वर्ग के प्रति दोनों पक्षों की स्पष्ट शत्रुता, गरीब किसानों की दुर्दशा के प्रति उनकी कथित उदासीनता की ओर इशारा किया, अपने ही रैंक के प्रमुख नेताओं की ओर से घोर भ्रष्टाचार को नजरअंदाज करने की उनकी प्रवृत्ति का उल्लेख नहीं किया। अपने अभियान में, वामपंथी नेताओं ने टीएमसी को संदर्भित करने के लिए %बिजेमूल% शब्द का इस्तेमाल किया- %बीजेपी% और %तृणमूल% का एक असहज मिश्रण, एक गैर-सैद्धांतिक राजनीतिक आत्मीयता को दर्शाने के लिए। जाहिर तौर पर अवसरवादी गठबंधन के पीछे मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कोई भी पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ चौतरफा हमला न करे। बाद में, सीपीआई (एम) के राज्य सचिव डॉ. सूर्यकांत मिश्रा ने स्वीकार किया कि वामपंथियों के आरोप आम लोगों के पल्ले नहीं पड़े, जिन्हें राज्य कल्याणकारी योजनाओं और मुफ्त साइकिल, स्वास्थ्य साथी, आदि सेवाओं की मदद मिली थी। लेकिन अब वामपंथी नेता आश्चर्यचकित हैं। दो प्रमुख दल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और शिवसेना, बंगाल के अलावा अन्य राज्यों में टीएमसी के हालिया विस्तारवादी कदमों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उस राजनीतिक तर्क को स्वीकार करने के करीब आ गए हैं जो वर्तमान में वामपंथ की नींव रखता है। दोनों दलों का मानना है कि विपक्ष के भीतर कांग्रेस को दरकिनार करने की कोशिश में टीएमसी वास्तव में भगवा पार्टी की मदद कर रही है। भाजपा के प्रति उसका विरोध केवल मौखिक है। ऐसा विचार वामपंथी नेताओं द्वारा पूर्व में उठाए गए टीएमसी विरोधी रुख से पूरी तरह मेल खाता है। टीएमसी का जिक्र करते हुए न तो कांग्रेस और न ही शिवसेना ने %बिजेमूल% अभिव्यक्ति का इस्तेमाल किया है। लेकिन शिवसेना के मुखपत्र में हाल के एक लेख में कहा गया है कि छोटे दल जो भाजपा का विरोध करते हैं और कांग्रेस के साथ अपनी गतिविधियों का समन्वय करते हैं, ममता बनर्जी के नेतृत्व में एक नए भाजपा विरोधी मोर्चे के लिए टीएमसी के आह्वान पर भ्रमित हो सकते हैं! कांग्रेस को दरकिनार कर एक अलग विपक्षी समूह बनाने की टीएमसी की योजना कभी काम नहीं करेगी। यह केवल विपक्ष को विभाजित कर सकता है। आगे शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि यदि विपक्ष के भीतर कांग्रेस के बिना एक नया गठबंधन होता है, जैसा कि ममता बनर्जी ने सुझाव दिया है, तो यह निश्चित रूप से भाजपा की मदद करेगा! इस तरह की बयानबाजी सीपीआई (एम) और अन्य वाम दलों के नेताओं द्वारा इस साल की शुरुआत में अपने विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान इस्तेमाल किए गए शब्दों के समान है। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जिन्होंने टीएमसी और भाजपा के बीच एक मौन सहयोग का संकेत देता है। उदाहरण के लिए प्रमुख सारदा चिटफंड-नारद रिश्वत योजनाओं में टीएमसी के शामिल होने के बावजूद, सांसदों के बीच वित्तीय और अन्य प्रकार के भ्रष्टाचार पर नजर रखने के लिए संसद में गठित आचार समिति की चार साल में एक बार भी बैठक नहीं हुई। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को चिटफंड और अन्य घोटालों में सांसदों और अन्य टीएमसी नेताओं के खिलाफ आरोपों की जांच करने का आदेश दिया, लेकिन आधिकारिक जांच हमेशा के लिए चलती दिख रही है! इस बीच वरिष्ठ टीएमसी नेता जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लंबित हैं, उन्हें फिर से सांसद, विधायक या राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। टीएमसी के लिए, हाल के वर्षों में अपने व्यवसायी बेटे की बढ़ी हुई कमाई के संबंध में उसने अक्सर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाया है। लेकिन राफेल जेट की खरीद, एनडीए के अडानी और अंबानी आदि के समर्थन जैसे मुद्दों पर भाजपा की आलोचना राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए आक्रामक लहजे की तुलना में अधिक नरम रही है। और अब सुश्री बनर्जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर एक प्रमुख प्रस्तावक के रूप में अडानी का समर्थन किया है और कोलकाता में समूह प्रमुख गौतम अडानी के साथ बैठक की है- इस प्रक्रिया में बड़े कॉर्पोरेट क्षेत्र का विरोध करने के टीएमसी के पहले के रुख को उलट दिया है! वह अप्रैल 2022 में कोलकाता में प्रस्तावित बंगाल उद्योग शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित करने के अलावा, 2011 में सत्ता संभालने के बाद पहली बार केंद्र व राज्य के निकट सहयोग का भी आह्वान कर रही हैं।

सुनहरे अक्षरों में दर्ज होगी किसानों की जीत

एक साल से भी अधिक समय से अपने हक की लोकतांत्रिक तरीके से लड़ाई लड़ रहे किसानों को आखिरकार सफलता मिल ही गई है। कृषि कानूनों की वापसी के बाद अब केंद्र सरकार ने किसानों की कई और महत्वपूर्ण मांगों पर लिखित आश्वासन दे दिया है। कृषि सचिव संजय अग्रवाल की ओर से किसानों को भेजी गई चिठ्ठी में पांच महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति दी गई है। ये पांच मांगें हैं-

1. न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी- केंद्र सरकार इसे लेकर एक किसान समिति बनाएगी जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधि लिए जाएंगे। जिन फसलों पर अभी एमएसपी मिल रहा है वो जारी रहेगा।
2. किसानों पर दर्ज मुकदमों की वापसी- हरियाणा, उप्र, उत्तराखंड सरकार मुकदमों की वापसी पर सहमत हो गई हैं। दिल्ली, अन्य प्रदेश और रेलवे भी तत्काल मुकदमों की वापसी करेंगे।
3. मुआवज़ा- उप्र और हरियाणा में सहमति बन गई है। पंजाब की तर्ज पर यहां भी पांच लाख रुपये का मुआवज़ा दिया जाएगा।
4. बिजली विधेयक- किसानों पर असर डालने वाले प्रावधानों पर पहले सभी पक्षों के साथ चर्चा होगी। किसान मोर्चा से चर्चा होने के बाद ही विधेयक संसद में पेश किया जाएगा।
5. पराली- भारत सरकार ने जो क़ानून पारित किए हैं उसकी धारा 14 और 15 के तहत किसानों पर कार्रवाई नहीं होगी।

जिन मानसिक, शारीरिक और आर्थिक कष्टों को उठाकर किसानों ने अपना संघर्ष जारी रखा और तमाम तकलीफों के बावजूद अपने आंदोलन से डिगे नहीं, उस लिहाज से किसानों के लिए यह बड़ी जीत है। किसानों ने देश को यह दिखला दिया कि मजबूत इरादों से किस तरह सफलता हासिल की जाती है। नरेन्द्र मोदी ने देश में जब से सत्ता संभाली है, उनकी छवि ऐसी ही बनाई गई है कि वे अपने फैसलों से पीछे नहीं हटते। लेकिन किसानों ने उन्हें अपने फैसले को वापस लेने पर बाध्य किया, यह बड़ी बात है। अच्छा है कि वक्त की नजाकत देखते हुए प्रधानमंत्री ने लचीला रुख अपनाया। सरकार में हठधर्मी नहीं चलती है, यह मोदीजी भी समझते हैं। भले ही उन्होंने विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पहले कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया, फिर किसानों की अन्य मांगों पर भी गौर फरमाया, लेकिन जिस पद पर वे बैठे हैं, उनसे इसी तरह के व्यवहार की उम्मीद थी। किसान इस देश के ही नागरिक हैं, कोई दुश्मन नहीं हैं, जिनसे एक साल लंबी लड़ाई सरकार लड़ रही थी। कृषि कानून पारित करवाने के सरकार के जो भी तर्क थे, अगर वे किसानों को अपने लिए सही नहीं लग रहे थे, तो सरकार का यह फर्ज था कि वह तभी कोई मध्यममार्ग निकालती। लेकिन सरकार ने शुरुआत में जो कड़ा रवैया दिखाया, उसके बाद हालात बिगड़ते चले गए। पूर्वाग्रहों के साथ सरकार और किसानों के बीच वार्ताएं हुईं, जिनका नतीजा सिफर ही रहना था। इसके बाद आंदोलन को लेकर तथाकथित राष्ट्रवादियों ने बेसिरपैर की बयानबाजी और हंगामे किए, किसानों पर अनावश्यक लांछन लगे। और इन सब में शक की उंगली सरकार पर ही उठी कि उसकी शह पर किसानों को मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार अगर किसानों को अपशब्द कहने वालों को पहले ही खामोश करा देती तो उसकी किसान विरोधी छवि न बनती। लेकिन सरकार ऐसा करने से चूक गई, बल्कि कई किसानों पर, और आंदोलन के समर्थन में खड़े हुए कुछ लोगों पर मुकदमे चले, अंतरराष्ट्रीय स्तर के ख्यातिनाम लोगों पर ट्रोल आर्मी ने कीचड़ उछाला। इन सबसे भी सरकार की छवि खराब हुई। चुनावों में इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा और आगे भी बड़ा नुकसान हो सकता था। इसलिए अब नरेन्द्र मोदी ने बिगड़ी बातों को सुधारने की पहल की। अगर शुरु से उन्होंने दूरदर्शिता दिखलाई होती, उनके सलाहकारों ने उन्हें सही सलाह दी होती, तो आज हालात दूसरे होते। अभी तो नरेन्द्र मोदी अवसरवादी प्रधानमंत्री की तरह दिख रहे हैं, जो अपनी पार्टी की जीत के लिए अपने ही फैसलों से पलट रहे हैं। खैर, देर आए, दुरुस्त आए। सरकार ने अपने रुख में लचीलापन दिखलाया है, तो अब किसान संगठनों ने भी नरमी दिखलाई है। अब किसान आंदोलन स्थगित कर दिया गया है और 11 दिसंबर से दिल्ली की सीमाओं को खाली कर किसान अपने घरों को लौट जाएंगे। इसी दिन किसान फतह मार्च निकालेंगे और 15 तारीख को स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकेंगे। अगले साल 15 जनवरी को संयुक्त किसान मोर्चे की एक समीक्षा बैठक होगी, जिसमें यह देखा जाएगा कि सरकार ने वादे किस तरह पूरे किए और अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर से आंदोलन शुरु हो सकता है। मगर फिलहाल जो हालात बने हैं, उसमें किसान आंदोलन एक बड़ी जीत के साथ खत्म नज़र आ रहा है। देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह जीत सुनहरे अक्षरों में दर्ज होगी।

किसानों को अपने लिए सही नहीं लग रहे थे, तो सरकार का यह फर्ज था कि वह तभी कोई मध्यममार्ग निकालती। लेकिन सरकार ने शुरुआत में जो कड़ा रवैया दिखाया, उसके बाद हालात बिगड़ते चले गए। पूर्वाग्रहों के साथ सरकार और किसानों के बीच वार्ताएं हुईं, जिनका नतीजा सिफर ही रहना था। इसके बाद आंदोलन को लेकर तथाकथित राष्ट्रवादियों ने बेसिरपैर की बयानबाजी और हंगामे किए, किसानों पर अनावश्यक लांछन लगे। और इन सब में शक की उंगली सरकार पर ही उठी कि उसकी शह पर किसानों को मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित किया जा रहा है।

भेदभावों से मुक्ति का उजास भरा पथ है मानवाधिकार

– **प्रमोद दीक्षित मलय**

1975 में एक कानून बनाकर बंधुआ मजदूरी को संज्ञेय दंडनीय अपराध घोषित कर देने से हजारों मनुष्यों को इस नारकीय जीवन से मुक्ति मिली। विश्व में बाल मजदूरी को भी इसी पंक्ति में रखा जा सकता है। पर आज भी कम साक्षरता वाले राज्यों में अक्सर मानवाधिकार हनन की घटनाएं यथा पुलिस प्रताड़ना, झूठे केस में फंसाने एवं निर्दयता से मारने आदि प्रकाश में आती रहती हैं। इतना ही नहीं संपूर्ण विश्व में नारी गौरव, अस्मिता एवं अस्तित्व को हाशिए पर रखा गया है। मनुष्य एक शिशु के रूप में जन्म लेता है और शिशु को जन्म लेते ही मानव के रूप में गरिमामय जीवन जीने का अधिकार प्राकृतिक रूप से प्राप्त हो जाता है। प्रत्येक मानव के लिए स्वतंत्रता, समानता और सम्मान के अधिकार के साथ जीवन में आगे बढ़ने और समाज जीवन के किसी भी क्षेत्र में काम करने एवं आगे बढ़ने हेतु भयरहित निर्बाध खुला मार्ग उपलब्ध है। किसी भी मानव प्राणी के साथ नस्ल, लिंग, जाति, भाषा, धर्म, विचार, जन्म, रंग, क्षेत्र एवं देश के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 10 दिसंबर, 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर मानव अधिकारों की रक्षा कर मानव मूल्यों एवं आदर्शों के संरक्षण पर बल दिया। वर्ष 1950 से संयुक्त राष्ट्र से सम्बद्ध देशों द्वारा मानवाधिकार दिवस को मनाने एवं प्रचार-प्रसार करने हेतु सतत् प्रयास सराहनीय हैं। प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस मना कर संपूर्ण विश्व में मानव अधिकारों के प्रति सजगता और जागरूकता का प्रचार-प्रसार करते हुए मानवता के विरुद्ध हो रहे जुल्म एवं अत्याचारों को रोकने और उसके विरुद्ध आवाज उठाने, खड़े होने और संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया जाता है। भारत में मानवाधिकार बहुत विलंब से लागू हुए। 28 सितंबर 1993 को मानवाधिकार कानून बनाया गया जिसके आलोक में 12 अक्टूबर 1993 को सरकार ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन कर नागरिकों के हितों एवं अधिकारों की सुरक्षा हेतु पहल की। मानवाधिकारों का वर्तमान वितान भले ही आकर्षक एवं चेतना युक्त दिखाई पड़ रहा हो पर मानव इतिहास तो क्रूरता, कुभाव, कलुषता, हिंसा, रुदन और अत्याचार से भरा हुआ है। इतिहास के पन्ने मनुष्य के रक्त से भींगे हैं और उसके शोषण की गाथा से भरे हुए भी। मानव जीवन की इस यात्रा में ऐसे हजारों चित्र अंकित हैं जहां मानवता शर्मसार होती दिखाई देती है, जहां मनुष्य द्वारा ही मनुष्य को एक जानवर की भांति उपयोग और उपभोग की वस्तु बना दिया गया हो, जहां वह वस्तु की भांति बेचा और खरीदा गया हो, जहां उसकी सांसों के स्पंदन पर नियंत्रण उसके मालिक का रहा हो। समृद्ध वर्ग द्वारा निर्धन व्यक्तियों के प्रति यह बर्ताव युगों-युगों से पूरी दुनिया में जारी रहा है। एशिया, अफ्रीका, अमेरिका एवं यूरोपीय देशों में अमानवीय दास प्रथा को उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है।

जो सभ्यताएं तलवार एवं छल-प्रलोभन के बल पर बढ़ीं वहां दास प्रथा को बढ़ावा और प्रश्रय मिला। युद्धबंदी, सामूहिक अपहरण और संगठित दास बाजार के उदाहरण इतिहास के पृष्ठों में दर्ज हैं। मनुष्य की स्वतंत्रता तो अमरीकी आजादी के संघर्ष का नारा ही था। भारत भी इस अमानवीय प्रथा से अलग नहीं रहा। बंधुआ मजदूरों के रूप में मानव का एक बड़ा वर्ग पीढ़ी दर पीढ़ी अमानवीय एवं अपमानजनक जीवन जीने को अभिशप्त रहा है। पर 1975 में एक कानून बनाकर बंधुआ मजदूरी को संज्ञेय दंडनीय अपराध घोषित कर देने से हजारों मनुष्यों को इस नारकीय जीवन से मुक्ति मिली। विश्व में बाल मजदूरी को भी इसी पंक्ति में रखा जा सकता है। पर आज भी कम साक्षरता वाले राज्यों में अक्सर मानवाधिकार हनन की घटनाएं यथा पुलिस प्रताड़ना, झूठे केस में फंसाने एवं निर्दयता से मारने आदि प्रकाश में आती रहती हैं। इतना ही नहीं संपूर्ण विश्व में नारी गौरव, अस्मिता एवं अस्तित्व को हाशिए पर रखा गया है। आधुनिक युग में दृष्टिपात करें तो मनुष्य एवं कतिपय देशों की साम्राज्यवादी नीति ने लाखों निर्दोष मनुष्य के लहू से वसुधा को रक्तिम किया है। प्रथम विश्व युद्ध से ही ये प्रश्न वैश्विक विचार फलक पर उभरने लगे कि एक मानव के रूप में उसके क्या अधिकार हैं। द्वितीय विश्व युद्ध में लाखों नागरिकों की हत्या से इन प्रश्नों की स्याही और गहरी हुई। भारत-पाकिस्तान के बंटवारे में धर्मांधता की आग में लाखों जीवन झुलस गए और और नारी अस्मिता तार-तार हुई। पूरे विश्व में महिलाओं के श्रम का शोषण था और कुछ देशों में मतदान के अधिकार से वंचित भी। इन तमाम संदर्भों के धरातल पर तब संयुक्त राष्ट्र संघ में मानवाधिकारों पर न केवल चर्चा-परिचर्चा करके एक रास्ता खोजने की पहल की गई बल्कि सर्वसम्मति से मानवाधिकारों का एक घोषणा पत्र भी जारी हुआ। इस वैश्विक घोषणा पत्र में प्रत्येक व्यक्ति को गरिमामय स्वतंत्र जीवन जीने की सुरक्षा का अधिकार मिला। मनुष्य की मनुष्य द्वारा की जा रही दासता से मुक्ति का उजास भरा पथ मिला। यातना, पीड़ा, क्रूरता से आजादी और एक मानव के रूप में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समानता का भी अधिकार प्राप्त हुआ। और यह भी किसी भी राज्य-सत्ता द्वारा किसी भी व्यक्ति की मनमाने ढंग से गिरफ्तारी करने, हिरासत में रखने और देश से निर्वासन पर अंकुश लगा गैरकानूनी बना दिया गया। जब तक अदालत द्वारा आरोपी पर दोष सिद्ध न हो जाए तब तक उसे निर्दोष होने का अधिकार भी प्रदत्त है। घर, परिवार एवं पत्राचार में निजता की उपेक्षा कोई नहीं कर सकता। इसके साथ ही कोई भी व्यक्ति अपने देश के अंदर एवं अन्य किसी भी देश में भ्रमण करने, अपने देश की नागरिकता त्यागने एवं अन्य देश की नागरिकता ग्रहण करने और किसी भी देश में राजनीतिक शरण पाने का (गैर-राजनीतिक अपराध को छोड़कर) अधिकार रखता है। एक मनुष्य के रूप में वह धर्म, वर्ग, जाति, उपासना पद्धति से परे अपनी पसंद से किसी भी मनुष्य से शादी करने एवं परिवार बढ़ाने का अधिकार रखता है। वह अपनी समझ विकसित करने एवं कला-कौशल वृद्धि हेतु शिक्षा प्राप्त करने एवं साहित्य, संगीत, नृत्य आदि ललित कलाएं सीखने-रचने का अधिकार रखते हुए वह सांस्कृतिक एवं बौद्धिक संपदा के संरक्षण का भी कानूनन अधिकारी है।

दुश्मन को घर में घुसकर मारने का माद्दा रखते थे सीडीएस जनरल बिपिन रावत

जीवन में कभी इतने भारी कदमों से किसी के घर जाना नहीं हुआ, जितना जनरल बिपिन रावत के घर जाते हुए महसूस हुआ। जिन दो बेटियों ने अचानक अपने माता-पिता को खो दिया हो, उनसे हम क्या बात करें और कैसे सांत्वना दें, कुछ सूझ ही नहीं रहा था? जब हम जनरल साहब की छोटी बेटी से मिले तो वह अपने पिता और मां की भांति बहादुर और दृढ दिखीं। इतना बड़ा दुख का पहाड़ बड़ी गरिमा और शालीनता से झेलते हुए उन्होंने पापा के बारे में कुछ कहा और फिर हम सब सन्नाटे में खो गए। बहादुरी ओढ़ी नहीं जाती। यह वह क्षात्र गुण है, जो रक्त में मिलता है। सदियां बीत जाएंगी अपनों से अपनेपन की हदें पार करने और दुश्मन को उसके घर में घुसकर मारने वाले जनरल बिपिन रावत की चर्चा करते हुए। जनरल साहब हमेशा मुस्कुराते हुए मिलते थे और बहुधा मजेदार कहानियां सुनाते थे। हम हर साल सेना के लिए एक लाख राखियां देश भर के स्कूलों से बनवाकर उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के लिए देते थे। इस साल हम राखियां लेकर साउथ ब्लाक स्थित उनके कार्यालय पहुंचे। उनके मिलिट्री सहायक ब्रिगेडियर लिद्दर ने स्वागत किया। कुछ देर बाद हमें जनरल बिपिन रावत के भव्य कक्ष में आमंत्रित किया गया। वह स्वयं हमारी राखियां स्वीकार करने आए और मेरी बेटी से राखी बंधवाई, फिर मेरी पत्नी से बोले-भुली चाय पियोगी? भुली पहाड़ी में बहन को कहते हैं। फिर वह काफी देर बातें करते रहे। लगा ही नहीं कि राष्ट्र के इतने महत्वपूर्ण सेनाधिपति से हम रूबरू हो रहे हैं। जनरल रावत इतने मिलनसार और हंसमुख थे कि विश्वास नहीं होता था कि वह इतने बड़े सैन्य अधिकारी हैं।

प्रेग्नेंसी में लेंगीं आयुर्वेदिक तरीके से बना पंचामृत, नॉर्मल डिलीवरी के साथ हेल्दी होगा बच्चा

गर्भावस्था में महिला का तन और मन दोनों स्वस्थ रहना चाहिए। तभी उसका बच्चा गर्भ में अच्छी तरह विकास करता है और वह तन-मन से खुशी महसूस करता है। बच्चा स्वस्थ रहे, इसके लिए मां को तरह-तरह के पोषक तत्वों का सेवन भी करना चाहिए। आयुर्वेद की मानें तो पंचामृत गर्भवती महिला के लिए बहुत लाभकारी है। इससे महिला की नॉर्मल डिलीवरी की गारंटी होती है और बच्चा भी स्वस्थ जन्म लेता है।

पंचामृत बनाने की सामग्री

गर्भवती महिलाओं के लिए पंचामृत बनाने के लिए आपको चाहिए एक चम्मच चीनी, एक चम्मच दही, एक चम्मच शहद, पांच चम्मच गाय का दूध, आधा चम्मच घी और केसर के दो से तीन धागे।

पंचामृत बनाने की विधि

पंचामृत बनाने के लिए सभी सामग्री यानी चीनी, दही, चम्मच, शहद और दूध को अच्छी तरह मिला लें। इसमें थोड़ा सा घी और केसर डालकर अच्छी तरह मिला लें। पंचामृत तैयार है।

पंचामृत गर्भवती महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद है, खासकर पहली तिमाही में गर्भवती महिलाओं को इसे जरूर खाना चाहिए। गर्भावस्था में इसे खाने से महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे को असंख्य फायदे मिलते हैं।

पंचामृत लेने के फायदे

एसिडिटी और थकान से दूर करता है। गर्भावस्था की पहली तिमाही में महिला को एसिडिटी की काफी समस्या होती है। शारीरिक बदलाव के कारण वह काफी थकान भी महसूस करती है। पंचामृत लेने से यह दोनों ही समस्याएं कम हो जाती हैं।

पंचामृत एक बेहतरीन इम्युनिटी बूस्टर है। इसका मतलब है कि पंचामृत का सेवन कर गर्भवती महिला अपने रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और अपने आपको मजबूत बनाती है। यह बच्चे और मां दोनों के लिए सही है।

पंचामृत का सेवन गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे शिशु के रंग को गोरा बनाता है। आयुर्वेद के अनुसर पंचामृत कांति प्रदान करता है। कांति यानी शरीर के रंग को गोरा करता है।

मानसिक और शारीरिक लाभ

यह भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में भी मदद करता है। गर्भवती महिला को शुरुआती दिनों में खुद को मानसिक और भावनात्मक रूप से स्थिर रखने की काफी आवश्यकता होती है। ऐसे में पंचामृत उनके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

आयुर्वेद के अनुसार पंचामृत गर्भधारण करने से पहले भी काफी कारगर साबित होता है, क्योंकि यह प्रजनन अंगों को बेहतर करता है।

प्रेग्नेंसी में दूध-दही के फायदे

दूध

आयुर्वेद के मुताबिक पंचामृत में गाय के दूध का उपयोग किया जाता है। गाय का दूध कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह आसानी से पच जाता है, प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है, शरीर तथा मस्तिष्क को नॉरिश करता है।

इसके अलावा यह हड्डियों तथा मांसपेशियों को भी प्रदान करता है। इसमें कैल्शियम, विटामिन डी और विटामिन बी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। पंचामृत बनाने के लिए टोन्ड दूध या स्किम्ड दूध का उपयोग न करें।

दही

यह प्रोबोयोटिक है। इसमें आवश्यक अमीनो एसिड पाया जाता है। कहा जाता है कि यह खाना पचने में मदद करता है। वैसे भी गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या काफी ज्यादा होती है।

यह शरीर को मजबूती देता है और मांसपेशियों को नॉरिश करता है। आयुर्वेद के अनुसार दही को शुभ माना जाता है।

गर्भावस्था में घी और शहद के लाभ

आयुर्वेद के अनुसार गाय के दूध से बने घी का उपयोग करना चाहिए। घी याद्दाश्त मजबूत करता है, आध्यात्मिक क्षमता को बेहतर करता है।

इसके अलावा घी पाचन तंत्र को बेहतर करता है। दुग्ध से बने सभी उत्पादों में आयुर्वेद में घी को सबसे उच्चतम माना जाता है। यह भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

शहद इम्युनिटी को बेहतर करने में मदद करता है। चीनी एनर्जी प्रदान करता है। प्रेग्नेंसी के शुरुआती दिनों में महिला में एनर्जी की काफी कमी होती है। इसके अलावा चीनी का सेवन करने से त्वचा का रुखापन भी कम होता है।

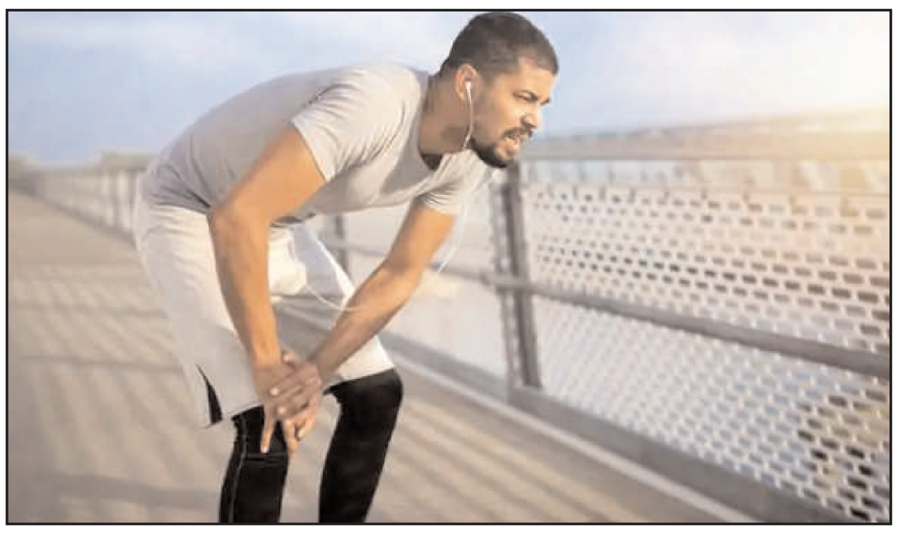

यूरिक एसिड के बढ़ने का क्या है मतलब और किन लक्षणों से होती है पहचान, जानें कंट्रोल करने के तरीके

ठंड में कई लोगों के साथ अक्सर ऐसा होता है कि उन्हें टॉयलेट तो लगता है लेकिन जब वो वाशरूम जाते हैं, तो उन्हें मूत्र करने में परेशानी होती है। जिसकी वजह से उनके पेट के निचले हिस्से में दर्द और सूजन भी हो जाती है। इसका एक कारण यह भी होता है कि शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है। आइए, सबसे पहले जानते हैं कि क्या होता है यूरिक एसिड-

क्या होता यूरिक एसिड

यूरिक एसिड शरीर के सेल्स और हमारे आहार से बनता है। शरीर में यूरिक एसिड हमेशा होता है, यह यूरिन के जरिए शरीर से निकलता है। आमतौर पर किडनी यूरिक एसिड को फिल्टर कर देती है और यह टॉयलेट के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। लेकिन जब शरीर में यूरिक एसिड ज्यादा बनने लगता है या किडनी फिल्टर नहीं कर पाती तो खून में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है। जो हड्डियों के बीच में जमा हो कर दर्द पैदा करता है। यूरिक एसिड के बढ़ने को Hyperuricemia भी कहा जाता है। इससे त्रश्ह्ह नाम की बीमारी लग सकती है जिससे जोड़ों में दर्द उठता है। यह आपके खून और यूरिन को काफी एसिडिक भी बना सकता है।

यूरिक एसिड बढ़ने के कारण

-जेनेटिक्स

-गलत डाइट या खान-पान

-रेड मीट, सी फूड, दाल, राजमा, पनीर और चावल जैसे खाने से भी यह बढ़ सकता है।

-अधिक समय तक खली पेट रहना भी एक कारण हो सकता है।

-डायबिटीज के मरीजों को हो सकता है यूरिक एसिड

-मोटापा

-स्ट्रेस

क्या है मुख्य लक्षण

-जोड़ों में दर्द होना। उठने-बैठने में परेशानी होना।

-उंगलियों में सूजन आ जाना

-जोड़ों में गांठ की शिकायत होना

-इसके अलावा पैरों और हाथों की उंगलियों में चुभन वाला दर्द होता है जो कई बार असहनीय हो जाता है। इसमें आदमी ज्यादा जल्दी थक भी जाता है। इसलिए इन -लक्षणों को नजरअंदाज ना करें।

-टॉयलेट करने में परेशानी या इसके तुंरत बाद पेट के आसपास दर्द, जलन।

यूरिक एसिड को कंट्रोल करने का तरीका

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए फिजिकली फिट रहें। इसके लिए एक्सरसाइज करें, योग करें या सैर पर जाएं।

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए शरीर में पानी की कमी न होने दें। खूब पानी पिएं।

-यूरिक एसिड को कंट्रोल करना है, तो अपने आहार पर खास ध्यान दें। प्यूरीन प्रोटीन युक्त भोजन को डाइट में शामिल न करें।

-अपने आहार में ज्यादा अंतराल न डालें। हर दो घंटे में कुछ हेल्दी खाते रहें।

-अपने डॉक्टर से बात करें और अपने शरीर की जरूरतों के मुताबिक उनसे सलाह लें।

एक कप चाय मक्खन मारकर! सोशल मीडिया पर चाय के इस अवतार को देखकर फूडीज का हुआ मूड ऑफ

आपने दाल और पराठे तो कई बार मक्खन डालकर खाए होंगे लेकिन क्या आपने मक्खन वाली चाय पी है? यह रेसिपी हम आपको नहीं बता रहे बल्कि कुछ ऐसी ही अजीबो-गरीब रेसिपी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो घूम रहा है जिसमें एक शख्स चाय में खूब सारा मक्खन डालकर अनोखे अंदाज़ में चाय बना रहा है। इस अजीबोगरीब अंदाज में चाय बनाने का वीडियो foodieagraaaaa नाम के अकाउंट पर शेयर किया गया है।

इस वीडियो के बारे में कुछ भी पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता लेकिन वीडियो की कैप्शन के मुताबिक यह वीडियो आगरा के बाबा टी स्टॉल का है। मक्खन वाली चाय की रेसिपी हर किसी के गले नहीं उतर रही। ज्यादातर यूजर्स इस वीडियो को लताड़ने के साथ ऐसी अजीब रेसिपी का मजाक भी उड़ा रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे क्रिएटिविटी के नाम पर चाय का स्वाद खराब करने जैसा बता रहे हैं। बहरहाल, यह पहली बार नहीं है जब चाय बनाने की अजीबोगरीब रेसिपी सामने आई है। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान भी कई दिलचस्प एक्सपेरिमेंट्स देखने को मिले थे। जब यूजर्स ने रसगुल्ला बिरयानी, गुलाब जामुन बर्गर, आइसक्रीम मैगी , चॉकलेट मैगी बनाकर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस चाय का स्वाद कैसा होगा ? यह तो इसे पीने वाले ही बता सकते हैं, लेकिन अगर आपको फूड एक्सपेरिमेंट करना पसंद है, तो एक बार घर में इस चाय को ट्राई (अपने रिस्क पर) जरूर कर सकते हैं।

रिसर्च में हुआ खुलासा, सोने से पहले पिएंगे अगर ये चाय, तो सोते वक्त भी होगा वेट लॉस

यदि आप सोते वक्त भी अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो हम आपको आज एक ऐसी ही चाय का नाम बताने वाले हैं। इस चाय का नाम है ओलॉग टी, जो शरीर में फैट की मात्रा को लगभग 20 प्रतिशत तेजी से कम करती है। हम सभी अपने जीवन में किसी न किसी समय वजन कम करने की कोशिश करते हैं। लेकिन वजन घटाना बहुत आसान काम नहीं है। शरीर की अतिरिक्त चर्बी कम करने के लिए पर्याप्त समय, धैर्य, समर्पण और स्वस्थ जीवन शैली की आवश्यकता होती है। लेकिन क्या होगा अगर हम कहें कि अब आप सोते समय अपना वजन कम कर सकते हैं! जी हां, यूनिवर्सिटी ऑफ त्सुकाबा के एक नई स्टडी के अनुसार, ओलोंग टी का सेवन करने से आपका वजन घट सकता है।

क्या कहती है स्टडी

ओलोंग टी, ग्रीन टी की तरह ही फायदेमंद है। यह मेटाबोलिज्म पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। शोधकर्ताओं ने मानव शरीर में एनर्जी और फैट मेटाबोलिज्म पर ओलोंग टी पीने का परिणाम जानने के लिए स्टडी किया। स्टडी के रिजल्ट को जर्नल, न्यूट्रिएंट्स में प्रकाशित किया गया। स्टडी में 20 से 56 वर्ष के 12 लोगों को शामिल किया गया। दो हफ्ते चली स्टडी में प्रतिभागियों को तीन समूहों में बांटकर ओलोंग टी, कैफीन और प्लेसिबो जैसे पेय पदार्थ पीने के लिए दिए गए। निष्कर्ष से पता चला कि प्लेसिबो की अपेक्षा ओलोंग चाय और शुद्ध कैफीन वसा की मात्रा को लगभग 20 प्रतिशत तेजी से कम करते हैं। प्रतिभागियों में सोने के दौरान ओलोंग चाय पीने का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। स्टडी के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर कुम्पी तोकुयामा के अनुसार, नींद के दौरान ओलोंग चाय के उत्तेजक प्रभाव शरीर के वजन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सामग्री-

1 चम्मच ओलोंग चाय की पत्ती

1 कप पानी

तैयार कैसे करें

एक कप पानी को उबाल लें।

उबाल आते ही आंच से उतार लें।

ओलोंग चाय की पत्ती डालें और एक ढक्कन लगाएं।

इसे 5 मिनट के लिए रखकर छोड़ दें।

फिर छानकर पिएं।

स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं।

कब-कब और कितनी मात्रा में पिएं यह चाय

आप इस चाय को दिन में 2-3 बार पी सकते हैं। लेकिन वजन घटाने के चक्कर में इसकी बिल्कुल भी अति न करें, नहीं तो आपको चिंता, निर्जलीकरण, अनिद्रा, हृदय गति में वृद्धि, अवसाद, लगातार पेशाब, पेट खराब होना, मतली, सिरदर्द, गुर्दे की पथरी, एलर्जी, ग्लूकोमा और एनीमिया जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

डायबिटीज नियंत्रित करे

ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नियमित रूप से ओलोंग टी का सेवन करने से मधुमेह के जोखिम को 16 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। यही कारण है कि ओलोंग टी डायबिटीज के रोगियों के लिए रामबाण मानी जाती है।

हृदय स्वस्थ रखे

ओलोंग टी हृदय पर सकारात्मक प्रभाव डालती है और इसे स्वस्थ रखने में मदद करती है। जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ में प्रकाशित एक स्टडी में पाया गया कि ओलोंग चाय पीने से हृदय रोग और इसके कारण होने वाली मौतों का खतरा कम हो सकता है।

स्तन कैंसर से बचाए

मिसौरी में सेंट लुइस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा की गई एक स्टडी में पाया गया है कि ग्रीन टी की तरह ही ओलोंग टी भी स्तन कैंसर की कोशिका वृद्धि को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करे

कॉफी की तरह ओलोंग टी में कैफीन होता है, जो सतर्कता और मस्तिष्क के कार्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं को फिर से जीवंत करता है और थकान को कम करता है।

ओलोंग टी कई रोगों से बचाने में मदद करती है। वजन नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर ओलोंग टी का सेवन किया जाता है।

जीभ पर जमी सफेद गंदी परत होती है बीमारी की निशानी

एक स्वास्थ जीवन जीने के लिए न सिर्फ खाना बल्कि साफ-सफाई भी आवश्यक है। लोग सिर्फ बालों और चेहरे पर ध्यान देते हैं लेकिन जीभ, नाखून की सफाई को हल्के में लेते हैं। सभी को दांत, जीभ और नाखून की सफाई पर ध्यान देना चाहिएष विशेष रूप से उपन्यास कोरोनावायरस महामारी को देखते हुए किसी को भी इस तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। आप कई बार महसूस करते होंगे कि कभी-कभी जीभ पर सफेद मोटी परत जम जाती है।

जीभ गंदी[illegible]ण का कारण बन सकती हैं। खराबी, सांसों में बदबू, पाचन क्रिया खराब होने के साथ-साथ फंगल इंफेक्शन का भी कारण बनती है। ऐसे में आपको मालूम होना चाहिए कि जीभ की सफाई किस तरह से की जानी चाहिए। क्योंकि इसके गदी जीभ पर बैक्टीरिया और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं। धूम्रपान, तंबाकू चबाना, दांतों को ब्रश न करना, मुंह से सांस लेना या ऐसी दवाइयां लेना जीभ को साफ करना बहुत आसान काम है। यहां हम आपको कुछ घरेलू उपाय बता रहे हैं।

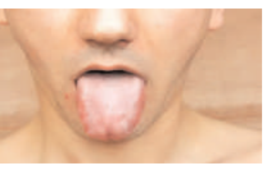

हल्दी : सेहत के लिए हल्दी तमाम तरह से फायदेमंद है ही साथ ही इससे जीभ को भी साफ किया जा सकता है। हल्दी से जीभ की सफेद परत को हटाया जा सकता है। इसके लिए हल्दी पाउडर में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें। इस पेस्ट को जीभ पर मलें। कुछ देर मुंह में मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से कुल्ला कर लें। इस विधि से जीभ की सफेद परत काफी जल्दी ठीक हो जाती है।

लहसुन : जीभ की सफाई के लिए लहसुन भी बेहतर विकल्प है। इसे इस्तेमाल करने के लिए 2-3 कच्चे लहसुन को अच्छी तरह चबा कर खाने से जीभ पर जमी सफेद परत से छुटकारा मिलता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें मौजूद एंटीमाइक्रोबियल गुण मुंह की बदबू और इंफेक्शन से भी बचाएंगे।

एलोवेरा : जीभ से सफेद परत हटाने के लिए कप पानी में एक चम्मच ताजा एलोवेरा जूस का जूस मिलाएं और घोल को अपने मुंह में रखें। कुछ मिनटों तक घुमाएं और फिर कुल्ला करें। यह बेहद सरल और सस्ता उपाय है।

न्यूज ब्रीफ

ओमिक्रॉन के खतरे के बीच इजरायल 10 दिन के लिए बढ़ाएगा ट्रैवल बैन और क्वारैंटाइन नियम

वाशिंगटन। ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच इजरायल वैक्सीन ने लगवाने वाले अपने नागरिकों पर कड़े प्रतिबंध लगा सकता है। इजरायल में सभी विदेशी नागरिकों की एंट्री पर 19 दिन के लिए बैन लग सकता है। रिपोट्र्स के मुताबिक, इजरायल में मंगलवार को सबसे ज्यादा मामले दर्ज हुए। अब तक देश में 21 ओमिक्रॉन केस सामने आए हैं। इजरायल सरकार ने ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित लोगों के लिए 10 दिन का क्वारैंटाइन लागू किया था, जिसे अब बढ़ाकर 14 कर दिया गया है। अब सरकार उन लोगों के लिए लॉकडाउन लगा सकती है जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई है। इसके साथ ही उन्हें विदेश की यात्रा करने से भी रोका जा सकता है।

सिंगापुर में बूस्टर डोज लगवा चुके दो लोगों को ओमिक्रॉन का संक्रमण

सिंगापुर में दो लोगों में ओमिक्रॉन वैरिएंट मिला है। हैरत की बात यह है कि इन दोनों को कोरोना का बूस्टर डोज लग चुका है। इसके बाद बूस्टर डोज की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। पहला मामला 24 वर्षीय महिला का है जो एयरपोर्ट पर पैसेंजर सर्विस में काम करती है। यह महिला शुरुआती जांच में ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह शहर में ओमिक्रॉन का पहला लोकल मामला है। दूसरा मामला विदेशी संक्रमण का है। यह शख्स 6 दिसंबर को जर्मनी से लौटा था और इसे भी बूस्टर डोज लग चुका था। फाइजर और बायोएनटेक ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि शुरुआती लैब रिजल्ट बताते हैं कि कोरोना की तीसरी वैक्सीन ओमिक्रॉन को खतम करने में सफल हो सकती है।

अमेरिका में 16 और 17 साल के युवाओं को भी लगेगा बूस्टर डोज

अमेरिका में फेडरल रेगुलेटर ने गुरुवार को 16 और 17 साल के युवाओं को भी बूस्टर डोज देने के फैसले को मंजूरी दे दी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, स्त्रष्ठ ने कहा है कि जिन युवाओं ने 6 महीने पहले दूसरा डोज लगवाया था, उन्हें अब बूस्टर डोज दिया जा सकता है। इस फैसले से लाखों युवाओं को राहत मिलेगी, क्योंकि ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए ज्यादातर पश्चिमी देश अपनी आबादी के बड़े हिस्सों को बूस्टर देने का फैसला ले रहे हैं। अमेरिका ने 19 नवंबर को ही साफ कर दिया था कि ऐसे तमाम वयस्क जिन्होंने दोनों डोज लगवा लिए हैं और इन्हें 6 महीने हो चुके हैं, वे सभी बूस्टर डोज ले सकते हैं।

अफ्रीका में कंफर्म केस बढ़कर 87.97 लाख हुए

ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच अफ्रीका में कोरोना के कंफर्म केस बढ़कर 87.97 लाख हो गए हैं। यह जानकारी अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने दी। अफ्रीका महाद्वीप में कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा 2.24 लाख हो गया है।

कोरोना के खिलाफ जर्मनी में बच्चों को दी जा सकती है वैक्सीन डोज

जर्मनी में 5 से 11 साल तक की उम्र के बच्चों को कोविड वैक्सीन की डोज दी जा सकती है। जर्मनी के वैक्सीनेशन एडवाइजरी कमीशन SIIKO ने गुरुवार को फाइजर-बायोएनटेक की कोविड वैक्सीन देने की सिफारिश अपनी सरकार से की है। कमीशन ने यह सिफारिश दुनिया भर में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वैरिएंट के बच्चों पर असर को देखते हुए की है।

मंजूरी का इंतजार : मस्क का दावा-

2022 से इंसानों में ब्रेन चिप लगाएंगे, बंदरों में परीक्षण सफल और सुरक्षित

रीढ़ की हड्डी के मरीज पहले चिप पा सकेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

ब्रेन इंटरफेस टेक्नोलॉजी कंपनी न्यूरालिंक के सीईओ एलन मस्क ने दावा किया है कि उनकी कंपनी 2022 में अपनी ब्रेन चिप का मानव परीक्षण शुरू कर देगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के सीईओ काउंसिल समिट के दौरान उन्होंने इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा कि बंदरों पर चिप का परीक्षण सफल रहा है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। अब इंसानों पर परीक्षण शुरू करने के लिए हमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) की मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलते ही सबसे पहले टेट्राप्लाजिक, क्वाड्रिप्लेजिक्स जैसी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट वाले लोग चिप पा सकेंगे। दरअसल, न्यूरालिंक ने ऐसा न्यूरल इंप्लांट विकसित किया है, जो बगैर बाहरी हार्डवेयर के दिमाग के अंदर चल रही गतिविधि को वायरलेस से प्रसारित कर सकता है। मस्क ने कहा कि मुझे लगता है कि हमारे पास किसी ऐसे व्यक्ति को ताकत देने का मौका है, जो चल नहीं सकता है या फिर अपने हाथों से काम नहीं कर सकता है। 9 अप्रैल, 2021 को, न्यूरालिंक ने एक बंदर में अपनी ब्रेन चिप लगाया था। इसके कारण बंदर अपने दिमाग का इस्तेमाल कर पोंग खेल आराम से खेल सका। बंदर के दिमाग में डिवाइस ने खेल खेलते समय न्यूरॉन्स फायरिंग के बारे में जानकारी दी, जिससे वह सीख पाया कि खेल के दौरान कैसे चाल चलनी है। मस्क ने बताया कि चिप लगाए जाने के बावजूद बंदर सामान्य लग रहा था और टेलीपैथिक रूप से एक वीडियो गेम खेल रहा था। मुझे लगता है कि यह काफी अच्छा प्रयोग था। न्यूरालिंक छोटे लचीले धागों से जुड़ी कंप्यूटर चिप है।

मेटावर्स में शादी:रिंग सेरेमनी, सभी रस्में, साथ में डांस भी पर ये सब दूल्हा-दुल्हन के अवतारों ने किया, मेहमान भी वर्चुअली शामिल हुए

वाशिंगटन। शादी का स्टेज सजा-धजा था, तभी दुल्हन के अवतार को उसकी दोस्त ने स्टेज के बीचोबीच पहुंचने में मदद की। दूल्हे के अवतार ने देखा कि दुल्हन पहुंच गई है, तो वह भी स्टेज पर पहुंचा और उसने वेडिंग टोस्ट (शादी से पहले दिया जाने वाला शुभकामना संदेश) देकर सेरेमनी की शुरुआत की। रिंग पहनाने के बाद दोनों अवतारों ने साथ में डांस किया। किसी वीडियो गेम सा दिखने वाला ये दृश्य वर्चुअल शादी का है। इसकी सारी रस्में भी वर्चुअली की गईं। मेटावर्स में हुई ये शादी अमेरिका ही नहीं दुनियाभर में चर्चा में है। यह आइडिया 52 वर्षीय ट्रेसी और 60 वर्षीय डेव गेगनॉन का था। उन्होंने सेरेमनी को उन लोगों के लिए लाइव-स्ट्रीम किया जो व्यक्तिगत रूप से नहीं आ सकते थे। मेहमान इसमें वर्चुअली शामिल हुए, गिफ्ट भी इसी मोड में दिए गए। ईएक्सपी रियल्टी में एजेंट के रूप में काम कर रहे गेगनॉन दंपती पहली बार 2015 में क्लाउड पर अवतार के जरिए ही मिले थे, इसलिए चाहते थे कि शादी भी इसी तरह के माहौल में हो। कोरोना काल में प्रतिबंधों के बीच ऐसा आयोजन लोगों को भी पसंद आया। अमेरिका के प्लाजा होटल का वर्चुअल वर्जन बनाकर मेटावर्स में निवेश करने वाली कंपनी ऑलसीटेड के सैंडी हैमर बताते हैं, 'मेटावर्स मैरिज में हजारों गेस्ट बुला सकते हैं, अंतरिक्ष में शादी कर सकते हैं। मेहमानों को रॉकेट से ले जाने के साथ दुनियाभर में घुमा सकते हैं। शादी की पार्टी इटली में तो रिसेप्शन पेरिस में दे सकते हैं।' दरअसल मेटावर्स इंटरनेट पर मौजूद आभासी दुनिया है। यूजर्स इसे देखने के साथ उसके भीतर तक जा सकते हैं। दूसरे देशों में बैठे लोग भी एक-दूसरे से वर्चुअली लाइव जुड़ सकते हैं। हालांकि, ये तभी संभव है जब यूजर्स मेटावर्स के वर्चुअल रियलिटी हेडसेट, ऑगुमेंटेड रियलिटी ग्लास, हाइटेक स्मार्टफोन जैसे उपकरणों से से लैस होंगे। कुल मिलाकर ये कम्युनिकेशन की अगली क्रांति होगी, जिसमें लोग वर्चुअल जिंदगी भी असली जिंदगी जैसी ही जिएंगे। लोग वर्चुअल कॉन्सर्ट और ऑनलाइन ट्रिप पर जा सकेंगे।

मेक्सिको में प्रवासियों से भरा ट्रक दूसरे ट्रक से टकराया; 53 लोगों की मौत, 54 घायल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मेक्सिको

साउथ मेक्सिको के तुक्स्टला गुटिरेज शहर के पास प्रवासियों से भरे एक ट्रक को दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक में मध्य अमेरिका के 100 से अधिक प्रवासी सवार थे। इस दर्दनाक हादसे में 53 लोगों की मौत हो गई और 54 घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, घायलों में 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

निकारागुआ ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़े; ताइवान को बताया चीन का हिस्सा:-निकारागुआ की सरकार ने गुरुवार को ताइवान के साथ अपने राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि हमारी सरकार मानती है कि दुनिया में केवल एक ही चीन है। उन्होंने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ही पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करती है और ताइवान चीन का हिस्सा भर है। निकारागुआ की सरकार आज से ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ती है और किसी भी आधिकारिक संबंध को बंद करती है।

मोदी सरकार से दिक्कत : इमरान बोले-

दुआ है कि हिंदुस्तान में ऐसी सरकार आए, जिससे बात कर सकें

» मोदी पाकिस्तान को कमजोर समझते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उन्होंने कई बार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के लिए कोशिश की, लेकिन वो हमारी कोशिश को कमजोरी समझते हैं। इस्लामाबाद में एक प्रोग्राम के दौरान खान ने कहा- हम दुआ करते हैं कि भारत में एक ऐसी सरकार आए जो पूरी गंभीरता से पाकिस्तान से बातचीत करेगी। इमरान ने पिछले महीने भी भारत से बातचीत की ख्वाहिश जाहिर की थी, लेकिन भारत ने पिछली बार और हर मौके पर साफ कर दिया कि आतंकवाद और बातचीत कभी साथ-साथ नहीं चल सकते।

एक मुद्दे का गुलाम बना साउथ एशिया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने गुरुवार को इस्लामाबाद कॉन्क्लेव 2021 में शिरकत की और लंबा भाषण दिया। इसमें कई बार भारत का जिक्र किया। कहा- एक मुद्दे ने पूरे दक्षिण एशिया को गुलाम बना रखा है। ये मुद्दा है कश्मीर का। मैंने नरेंद्र मोदी से कई बार बात करने की कोशिश की। बाद में मुझे अहसास हुआ कि वो इन कोशिशों को हमारी कमजोरी समझ रहे हैं। उनका रिएक्शन कुछ अलग ही आ रहा था। खान ने आगे कहा- भारत को लग रहा था कि पाकिस्तान इस वक्त बहुत कमजोर है। हमारी बातचीत एक नॉर्मल हिंदुस्तान की सरकार से नहीं हो रही थी, बल्कि वो एक खास विचारधारा वाली सरकार है। इससे बातचीत बहुत मुश्किल है। ये हिंदुस्तान के लिए भी खतरा है। हम दुआ करते हैं कि हिंदुस्तान में एक दिन ऐसी सरकार आए, जिससे हम गंभीरता से बात कर सकें। कश्मीर मसले का हल भी बम और बंदूक से नहीं, बल्कि बातचीत से ही होगा। दोनों देशों के बीच ट्रेड भी काफी कम है।

अमेरिका पर तंज

इमरान ने इस कॉन्क्लेव में अफगानिस्तान और क्लाइमेट चेंज के अलावा इस्लामोफोबिया का भी जिक्र किया। अफगानिस्तान के मुद्दे पर उन्होंने अमेरिका को घेरे में लिया और तंज कसे। कहा- अमेरिका ने अफगानिस्तान के तमाम फंड्स और अकाउंट को सीज कर दिया है। इसकी क्या तुक है। मैं सिर्फ इतना पूछना चाहता हूं कि अफगानिस्तान की चार करोड़ जनता का क्या कसूर है। अमेरिका उनसे बदला क्यों निकाल रहा है। अब वहां तालिबान की हुकूमत है।

नई दिल्ली में दिल्ली कैंट के बरार स्क्वायर में अंतिम संस्कार के दौरान दिवंगत ब्रिगेडियर एलएस लिडर की पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। तमिलनाडु के कुन्नूर में भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर दुर्घटना में लिद्दर की जान चली गई।

सीडीएस रावत के निधन पर विदेशी मीडिया का रिएक्शन : कहा-

भारत को लगे झटके की भरपाई करना आसान नहीं
चीन, ब्रिटेन, रूस समेत कई देशों ने दी श्रद्धांजलि

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल रावत की मौत पर दुनियाभर के मीडिया ने कवरेज की है। वहीं, कई देशों के नेताओं और सेना प्रमुख ने दुख जाहिर किया है।

डॉन में कश्मीर और चीन सीमा पर तैनाती का जिक्र

पाकिस्तान के अखबार डॉन ने जनरल रावत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दोस्त बताते हुए लिखा कि दो वरिष्ठ जनरलों पर तरजीह देकर उन्हें भारतीय सेना का प्रमुख बनाया गया। जनरल रावत ने कश्मीर और चीन सीमा पर लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर इंडियन आर्मी का नेतृत्व किया।

जनरल की तारीफ करते हुए अखबार ने लिखा- रावत को भारत की पूर्वोत्तर सीमाओं पर विद्रोह को नियंत्रित करने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पड़ोसी देश म्यांमार में अलगाववादियों के खिलाफ मिलिट्री ऑपरेशन का नेतृत्व भी किया।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट - जनरल की मौत इंडियन आर्मी के लिए झटका

हांगकांग के प्रमुख अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने लिखा है, भारत अपने टॉप जनरल बिपिन रावत की मौत का गम मना रहा है। उनके जाने का इंडियन आर्मी पर क्या असर होगा? देश के टॉप जनरल को खुद प्रधानमंत्री ने चुना था और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बनाया था। हेलिकॉप्टर हादसे मे उनकी मौत ऐसे मुश्किल समय हुई है जब भारत चीन के बीच सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। रावत की मौत को भारतीय सेना के लिए झटका बताते हुए अखबार ने कहा, इस हादसे से मोदी सरकार को भी गहरा झटका लगा है। सरकार और रावत के बीच भरोसे का रिश्ता था। भारत ने 2017 में डोकलाम में और बीते साल लद्दाख में चीन को जैसी प्रतिक्रिया दी उनकी मौत के बाद चीन की किसी हरकत पर भारत ऐसा जवाब देने के लिए कमजोर स्थिति में होगा।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और जनरल रावत के नजदीकी रिश्तों का जिक्र करते हुए अखबार ने कहा, पाकिस्तान के भीतर एयरफोर्स और स्पेशल फोर्सेज की स्ट्राइक में दोनों ने अच्छा कोआर्डिनेशन किया था।

पटना में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एएन कॉलेज के छात्र मानव श्रृंखला बनाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

परीक्षणों के लिए अभी कुछ दिन तक अस्पताल में रहेंगे पेले

साओ पाउलो। ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले ने कहा कि वह पेट के ट्यूमर के नए परीक्षणों के लिए अभी कुछ दिन तक साओ पाउलो में अस्पताल में रहेंगे। पेले के नाम से मशहूर 81 वर्षीय एडसन अरांटेस डु नासिमेंटो को इस सप्ताह ट्यूमर की कीमोथेरेपी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अगस्त में परीक्षणों से उनके पेट में ट्यूमर का पता चला था। पेले इसे हटाने के लिए ऑपरेशन करने के कारण तब लगभग एक महीने तक अस्पताल में रहे थे। पेले ने इंस्टाग्राम पर कहा कि वे 'मेरे इलाज के हिस्से के रूप में छोटे कीमोथेरेपी सत्र कर रहे हैं। चिंता मत करो, मैं छुट्टियों के सत्र के लिए तैयार हो रहा हूं। पेले की अगुवाई में ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्व कप जीता था। उन्होंने 92 मैचों में 77 गोल किये जो ब्राजील की तरफ से रिकार्ड है।

जो रूट ने तोड़ा माइकल वॉन का बड़ा रिकॉर्ड, एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट गाबा में खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने इस दौरान बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है और एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने इस मामले में पूर्व कप्तान माइकल वॉन को पीछे छोड़ दिया है। वॉन ने 2002 में 61.14 की औसत से 1,481 रन बनाए थे जिसमें छह शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रूट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा में पहले एशेज टेस्ट के तीसरे दिन चाय के बाद स्पिनर नाथन लियोन की गेंद पर सिंगल लेकर रिकॉर्ड बनाया और एक कैलेंडर वर्ष में 1,482 रन बनाए जोकि इंग्लैंड के किसी भी खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष में बनाए गए स्कोर से ज्यादा है। यह 30 वर्षीय इस साल शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने गाले और चेन्नई में 2 दोहरे शतकों सहित छह शतक बनाए हैं। रूट ने साल की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 426 रन से की थी और इसके बाद भारत में 4 मैचों की सीरीज में 386 रन बनाए। घर में रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मैचों में 97 रन बनाए और उसके बाद भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में 564 रन बनाए। रूट के नाम टेस्ट इतिहास में इंग्लैंड के सभी बल्लेबाजों में शीर्ष पांच में से तीन कुल वार्षिक स्कोर हैं जिन्होंने पहले 2016 में 1477 रन और 2015 में 1385 रन बनाए थे। वॉन को पछाड़ने के बाद रूट वर्तमान में खिलाड़ियों की सूची में आठवें नंबर पर बैठे हैं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक टेस्ट रन बनाए हैं।

अंडर-19 एशिया कप के लिए टीम इंडिया का ऐलानःयश धुल होंगे टीम के कप्तान, 25 दिसंबर को भारत का मुकाबला पाकिस्तान से

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीसीसीआई ने शुक्रवार को 23 दिसंबर से शुरू होने वाले अंडर-19 एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही बोर्ड ने नेशनल क्रिकेट अकादमी में लगाए जाने वाले कैम्प के लिए भी 25 खिलाड़ियों का चयन किया है। ये खिलाड़ी 11 से 19 दिसंबर तक कैम्प का हिस्सा होंगे। बता दें, अंडर-19 एशिया कप सबसे ज्यादा भारतीय टीम ने ही अपने नाम किया है। अब तक टीम ने 7 बार एशिया कप जीता है। 23 दिसंबर को वो आठवीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी।

यश धुल होंगे टीम के कप्तान

अंडर-19 टीम की कमान दिल्ली के रहने वाले यश धुल दी गई है। टीम में दो विकेटकीपर्स को जगह मिली है। दिनेश बना और आराध्य यादव के रूप में टीम के पास दो विकेटकीपर हैं। भारत को अपना पहला मैच UAE के खिलाफ 23 दिसंबर को खेलना है। 25 दिसंबर को भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। इसके दो दिन बाद टीम 27 दिसंबर को अफगानिस्तान से भिड़ेगी। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल 30 दिसंबर को खेला जाएगा। फाइनल 1 जनवरी को खेला जाएगा।

पूरी टीम इस प्रकार है

यश धुल (कप्तान), हरनूर सिंह पन्नू, अंग्रिश रघुवंशी, अंश गोसाई, एसके राशीद, अन्नेश्वर गौतम, सिद्धार्थ यादव, कौशल ताम्बे, निशांत सिंधू, दिनेश बना, आराध्य यादव, राजनगद बावा, राजवर्धन हनगारगेकर, गर्व सांगवान, रवि कुमार, रिशित रेड्डी, मानव पारख, अमृत राज उपाध्याय, विकी ओसवाल, वास वुत्स।

स्टैंडबाय खिलाड़ी

आयूष सिंह ठाकुर, उदय शरण, शाश्वत डंगवाल, धनुष गौड़ा, पीएम सिंह राठौर।

दो कप्तानों की नीति पर भारत

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बाद भारत चौथा देश जिसने व्हाइट बाल क्रिकेट में अलग कप्तान बनाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के लिए 2 कप्तान बनाए हैं। मंगलवार को बीसीसीआई ने इसका ऐलान किया। अब टेस्ट में विराट कोहली टीम के कप्तान होंगे। वहीं, वनडे और टी-20 में रोहित शर्मा को कप्तान बनाया गया है। आइए आपको बताते हैं टेस्ट खेलने वाले 12 देशों में किन देशों ने White ball क्रिकेट में अलग कप्तान बनाया है और कितने देश पुराने ढर्रे पर चलते हुए एक ही कप्तान के साथ खेलते हैं।

अफगानिस्तान का कुछ साफ नहीं

टी-20 में अफगानिस्तान की टीम के कप्तान अभी मोहम्मद नबी हैं। वहीं, अफगानिस्तान ने जो अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था उसमें असगर अफगान कप्तान थे। आखिरी वनडे मैच में भी अफगानिस्तान के कप्तान असगर अफगान ही थे। हालांकि, अफगान ने अब क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कुछ दिन पहले अफगानिस्तान ने राशिद खान को तीनों फॉर्मेट का कप्तान बनाया था, लेकिन उन्होंने कप्तानी करने से मना कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने नए कप्तान बनाए और वर्ल्ड कप अपने नाम किया

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड अलग-अलग कप्तान बनाए जाने के बाद वर्ल्ड कप अपने नाम कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल टी-20 का वर्ल्ड कप जीता है। वहीं, इंग्लैंड की टीम 2019 का वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम कर चुकी है।

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान

न्यूजीलैंड की टीम तीनों फॉर्मेट में केन विलियम्सन की कप्तानी में खेल रही है। उन्होंने दो कप्तानों की नीति नहीं अपनाई है। वहीं, पाकिस्तान के भी तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान है। पाक टीम बाबर आजम के कप्तानी में खेलती है।
आयरलैंड भी तीनों फॉर्मेट में एक ही कप्तान के साथ उतरती है। एंड्रयू बालबर्नी आयरलैंड के लिए टेस्ट, वनडे और टी-20 में कप्तानी करते हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के कप्तान अभी क्रेग एर्विन हैं और ये भी तीनों फॉर्मेट के कप्तान हैं।

बांग्लादेश के तीनों फॉर्मेट में अलग कप्तान

बांग्लादेश की टीम के तीनों फॉर्मेट में अलग-अलग कप्तान हैं। टेस्ट में टीम की कप्तानी मोमिनुल हक करते हैं। वहीं, वनडे टीम की कमान तमीम इकबाल के पास है और टी-20 क्रिकेट में महमूदुल्लाह बांग्लादेश के कप्तान हैं।

इंग्लैंड के लड़के ने ऑस्ट्रेलिया की लड़की को प्रपोज किया, लड़की ने गले लगाकर रिंग पहनी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मेलबर्न

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में खेले जा रहे पहले एशेज टेस्ट के दौरान एक रोचक घटना कैमरे में कैद हो गई। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान मैदान के बाहर इंग्लैंड के एक युवा क्रिकेट फैन ने सभी का दिल जीत लिया। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में लड़के ने मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया की अपनी प्रेमिका को प्रपोज किया, जिस पर लड़की ने हां कहा। प्रपोजल स्वीकार कर लड़की ने लड़के को गले लगा लिया। इसके बाद वह रिंग पहनते हुए भी दिखाई देती है। वहां मौजूद दर्शकों ने तालियां बजाकर दोनों को बधाई दी। लड़की का नाम नताली और लड़के का नाम रॉब है। मैदान में लगी बड़ी स्क्रीन पर इस अनोखे प्रपोजल को लाइव दिखाया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया यूजर्स ने तरह-तरह के रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि मैच के दौरान एक अच्छा मोमेंट।

ऑस्ट्रेलिया ने मैच पर पकड़ की मजबूत

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला मुकाबला ब्रिस्बेन में खेला जा रहा है। शुक्रवार को मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 425 रन पर खत्म हुई। ट्रेविस हेड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 148 गेंद में 152 रन बनाए। वहीं, इंग्लैंड को दूसरी पारी में भी 23 रन पर पहला झटका लग गया। पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाए रोरी बर्न्स दूसरी पारी में 13 रन पर आउट हो गए।

गायकवाड और वेंकटेश अय्यर के शतक : भारतीय किट के युवा सितारों का विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन, संजू सैमसन फेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईपीएल के जरिए शोहरत पाने वाले युवा सितारों ऋतुराज गायकवाड और वेंकटेश अय्यर ने घरेलू वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में भी दमदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखा है। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए गायकवाड़ ने लगातार दो दिन में दूसरा शतक जमाया है। वहीं, मध्य प्रदेश के वेंकटेश अय्यर ने केरल के खिलाफ शतक जमाने के साथ-साथ तीन विकेट भी अपने नाम किए।

143 रन बनाकर नाबाद रहे गायकवाड

बुधवार को मध्य प्रदेश के खिलाफ 136 रनों की पारी खेलने वाले गायकवाड ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के खिलाफ नाबाद 154 रन बनाए। उन्होंने 143 गेंदों का सामना किया और 14 चौके और पांच छक्के जमाए। उनकी इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने 276 रन का टारगेट 3 ओवर बाकी रहते ही हासिल कर लिया। गायकवाड अगर इसी तरह की फॉर्म जारी रख पाए तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए वे टीम इंडिया में चुने जा सकते हैं।

वेंकटेश ने 84 गेंद पर बनाए 112 रन

एक अन्य मैच में वेंकटेश अय्यर ने केरल के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने सिर्फ 84 गेंदों पर 112 रनों की पारी खेली। इसमें सात चौके और चार छक्के शामिल रहे। मध्य प्रदेश ने 329/9 का स्कोर बनाया। जवाब में केरल की टीम 49.4 ओवर में 289 रन ही बना सकी। वेंकटेश ने 55 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं, पूनीत दाते ने 59 रन देकर चार विकेट लिए। केरल के कप्तान संजू सैमसन 18 रन ही बना सके।

आईपीएल के सबसे युवा ऑरेंज कैप विनर बने थे गायकवाड

ऋतुराज गायकवाड ने आईपीएल के पिछले सीजन में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 16 मैचों में 635 रन बनाए। वे लीग के टॉप रन स्कोरर रहते हुए ऑरेंज कैप हासिल किया। 24 साल के गायकवाड टूर्नामेंट के अब तक के सबसे युवा ऑरेंज कैप विनर बने थे।

वेंकटेश ने आईपीएल में बनाए थे 370 रन

IPL-2021 में वेंकटेश अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेले थे। उन्होंने 10 मैचों में 370 रन बनाने के साथ-साथ तीन विकेट भी लिए थे।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

न्यूज़ ब्रीफ

यातायात सुधरने, मजबूत प्रतिफल से इंडिगो को मदद

नईअदिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) का शेयर पिछले कारोबारी सत्रों के दौरान 7 प्रतिशत चढ़ा है। इस शेयर में इन उम्मीदों से तेजी आई है कि मजबूत यात्री संख्या, सुधरते प्रतिफल, और प्रवर्तकों द्वारा हिस्सेदारी बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं होने से परिदृश्य और निवेशक धारणा मजबूत होगी। इंडिगो पर %आउटपरफॉर्म% रेटिंग देने वाले क्रेडिट सुइस के विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी मजबूत प्रतिफल और यात्रियों की संख्या में सुधार की मदद से दिसंबर तिमाही में मुनाफे की स्थित में लौट सकती है और उसका लोड फैक्टर कोविड से पहले जैसे स्तरों के आसपास आ सकता है।

4 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह के लिए यात्रियों की संख्या 357,000 रही, जो महामारी-पूर्व औसत (अप्रैल 2019-फरवरी 2020) के 89 प्रतिशत है। यात्रियों की संख्या में 27 नवंबर को समाप्त हुए सप्ताह के मुकाबले गिरावट आई है, जो 374,000 (कोविड-पूर्व स्तरों का 93 प्रतिशत) थी, जो महामारी शुरू होने के बाद से यात्रियों का सर्वाधिक स्तर है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार जहां विमान यात्रियों की संख्या तिमाही आधार पर घटी है, वहीं ओमिक्रॉन का प्रभाव अब तक धीमा बना हुआ है। प्रमुख एयरलाइनों का यात्री लोड फैक्टर (पीएलएफ) बढ़ा है और यह औसत 75 प्रतिशत से ऊपर रहा है, वहीं इंडिगो का पीएलएफ अक्टूबर में बढ़कर 78 प्रतिशत रहा, जो सितंबर में 74 प्रतिशत था। इस शेयर के लिए अन्य कारक कंपनी द्वारा बुलाई गई असाधारण आम बैठक है, जिसमें वह आर्टीकल्स ऑफ एसोसिएशन में संशोधन कर सकती है जिससे प्रवर्तक शेयरों के स्थानांतरण पर प्रतिबंध हट सकता है।

पेमेंट बैंक बना पेटीएम अधिसूचित पेमेंट बैंक बना पेटीएम

नई दिल्ली। पेटीएम की सहायक इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने गुरुवार को कहा कि उसे अधिसूचित पेमेंट बैंक के तौर पर परिचालन करने के लिए बैंकिंग नियामक की मंजूरी मिल गई है जिससे बैंक को नए व्यावसायिक अवसर तलाशने के लिए कई और रास्ते खुल गए हैं। बैंक ने अपने एक बयान में कहा है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ऐक्ट, 1934 के लिए दूसरी अनुसूची में शामिल किया गया है। इस घोषणा के बाद पेटीएम का शेयर भाव 2.62 प्रतिशत बढ़कर 1594.55 रुपये पर पहुंच गया। सूचीबद्धता के बाद पेटीएम का शेयर भाव दबाव में बना हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि रिजर्व बैंक ने 7 अक्टूबर, 2021 को जारी एक अधिसूचना में कहा था कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक को दूसरी अनुसूची में शामिल कर लिया गया है। इसके बारे में 2-8 अक्टूबर, 2021 को भारत के राजपत्र में जानकारी प्रकाशित की गई थी।

3 कंपनियों के शेयर्स होंगे लिस्ट : अगले हफ्ते 3 आईपीओ खुलेंगे, कुल पांच इश्यू में निवेश का रहेगा मौका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेश का मौका मिलेगा। कुल 3 कंपनियां आईपीओ लेकर आ रही हैं। जबकि दो कंपनियों का इश्यू इस हफ्ते खुला है जिसमें निवेशक अगले सप्ताह तक निवेश कर सकते हैं।

कुल 56 कंपनियों ने इस दौरान बाजार में इश्यू लाया

दिवाली के दौरान बैंकों की डिपॉजिट 3.3 लाख बढ़ी थी

19 नवंबर को इसमें 2.67 लाख करोड़ रुपए की कमी आई

एचपी अधेसिव का इश्यू 15 से

एचपी अधेसिव का इश्यू 15 से खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी में कम से कम एक लॉट यानी 50 शेयर्स के लिए निवेश कर सकते हैं। इसका मूल्य 262 से 274 रुपए तय किया गया है। कंपनी बाजार से 125.96 करोड़ रुपए जुटाएगी। यह अधेसिव और सीलेंट सेक्टर की कंपनी है। इसके प्रोडक्ट ढेर सारे सेक्टर जैसे प्लंबिंग और ड्रेनेज और कंस्ट्रक्शन के काम में आते हैं। 31 मार्च 2021 के वर्ष तक कंपनी का रेवेन्यू 123 करोड़ रुपए जबकि फायदा 10 करोड़ रुपए था। 2020 में इसे 4.6 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

डाटा पार्टनर्स का इश्यू 14 से

डाटा पार्टनर्स का आईपीओ 14 से खुलकर 16 दिसंबर को बंद होगा। इसका मूल्य 555 से 585 रुपए तय किया गया है। इसमें कम से कम 25 शेयर्स के लिए आप निवेश कर सकते हैं। यह कंपनी 588 करोड़ रुपए जुटाएगी। यह कंपनी 1985 में बनी थी जो रक्षा और एरोस्पेस के सेक्टर में काम करती है। इसका मुख्य काम इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को बनाना और विकसित करना है। इसका रेवेन्यू मार्च 2021 तक 226 करोड़ रुपए और फायदा 55 करोड़ रुपए था। एक साल पहले 160 करोड़ रुपए का रेवेन्यू और लाभ 21 करोड़ रुपए था।

मेडप्लस का आईपीओ सोमवार से

मेडप्लस हेल्थ सर्विस का आईपीओ सोमवार को खुलकर बुधवार को बंद होगा। इसमें कम से कम 18 शेयर्स के लिए निवेश करना होगा। इसका मूल्य 780 रुपए से 796 रुपए तय किया गया है। कंपनी बाजार से 1,398 करोड़ रुपए जुटाएगी। मेडप्लस 2006 में बनी थी। रेवेन्यू और स्टोर के मामले में यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी फार्मेसी रिटेलर है। यह फार्मा और वेलनेस प्रोडक्ट को बनाती है जिसमें मेडिसिन, विटामिन, मेडिकल डिवाइस, टेस्ट किट और होम और पर्सनल केयर जैसे प्रोडक्ट शामिल हैं।

2,165 रिटेल स्टोर हैं

जून 2021 तक कंपनी के पास कुल 2,165 रिटेल स्टोर थे। 2021 मार्च तक इसका रेवेन्यू 3,090 करोड़ रुपए का था जबकि फायदा 63 करोड़ रुपए था। इस कंपनी के जरिए आप एक फोन कॉल से भी सामान बुक करते हैं और स्टोर पर ऑर्डर दे सकते हैं। इस तरह की सेवा देने वाली यह पहली कंपनी है।

श्रीराम प्रॉपर्टीज के इश्यू का आज अंतिम दिन

श्रीराम प्रॉपर्टीज के इश्यू का आज अंतिम दिन है। दोपहर तक इसे केवल 1.1 गुना का ही रिस्पांस मिल पाया है। इसका मतलब यह है कि कंपनी को बहुत अच्छा सब्सक्रिप्शन नहीं मिलेगा। सीई इंफो सिस्टम के इश्यू का आज दूसरा दिन है। यह सोमवार को बंद होगा। दोपहर तक इसे 100 फीसदी का सब्सक्रिप्शन मिला था। अंतिम दिन इसे अच्छा रिस्पांस मिल सकता है।

रेटगेन के शेयर की लिस्टिंग 17 को

रेटगेन ट्रैवल के शेयर्स की लिस्टिंग 17 दिसंबर को होगी। इसका इश्यू गुरुवार को बंद हुआ था। इसे केवल 17 गुना का रिस्पांस मिला। रिटेल निवेशकों ने अपने हिस्से का 8 गुना ज्यादा निवेश किया। कंपनी ने 405 से 425 रुपए भाव रखा था। यह बाजार से 1,335 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी। पिछले हफ्ते तेगा इंडस्ट्रीज के इश्यू को 200 गुना से ज्यादा रिस्पांस मिला था। तेगा के शेयर्स की लिस्टिंग 13 दिसंबर को होगी। इसे 200 गुना से ज्यादा का रिस्पांस मिला था। जबकि आनंद राठी के इश्यू की लिस्टिंग 14 दिसंबर को होगी।

और मालदार हुईं भारतीय कंपनियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

अनुसंधान कंपनी हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत की शीर्ष 500 कंपनियों का मूल्य 1.2 लाख करोड़ डॉलर बढ़कर कुल 3 लाख करोड़ डॉलर हो गया, जिसमें तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था का और शेयर बाजार की रिकॉर्ड ऊंचाई का अहम योगदान रहा। शेयर बाजार कोविड के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि की बढ़ती उम्मीदों के कारण कुलांचे भर रहे हैं। हुरुन इंडिया ने आज जारी रिपोर्ट में कहा कि ये 500 कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार हैं, जिनका कुल मूल्य 3 लाख करोड़ डॉलर है। यह भारत के मौजूदा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से अधिक है। इन 500 कंपनियों की संयुक्त बिक्री 770 अरब डॉलर है और इनमें 69 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। यह आंकड़ा संयुक्त अरब अमीरात की कामकाजी आबादी से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से बढ़ते उद्योगों के लिहाज से सॉफ्टवेयर सेवाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के मूल्य में 40 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 ने भारत में सबसे मूल्यवान निजी कंपनियां सूचीबद्ध की हैं, उनके मूल्य के हिसाब से स्थान दिया है, सूचीबद्ध कंपनियों को बाजार पूंजीकरण के रूप में परिभाषित किया है और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों का मूल्यांकन किया है। इसमें 30 अक्टूबर 2021 तक के आंकड़े इस्तेमाल किए गए हैं। 500 कंपनियों की सूची के लिए न्यूनतम सीमा 5,600 करोड़ रुपये (75 करोड़ डॉलर) थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कंपनियों का मूल्य 68 फीसदी या 90 लाख करोड़ रुपये बढ़कर कुल 228 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें 46 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति का योगदान महज चार कंपनियों- रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस का रहा। टाटा समूह की 14 कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ, जिनके मूल्य में 8.5 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। इन कंपनियों का 500 कंपनियों के कुल मूल्य में करीब 10 फीसदी हिस्सा रहा। टीसीएस 5.07 लाख कर्मचारियों के साथ सबसे बड़ी नियोक्ता और सबसे बड़ी करदाता रही। टीसीएस ने 11,200 करोड़ रुपये का कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 टीका विनिर्माता गैर-सूचीबद्ध कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का मूल्य 127 फीसदी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गया।

वैश्विक बाजार की तरह भारत में नहीं होगी स्टील की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कीमतों में गिरावट के कारण दिसंबर में फ्लैट व लॉन्ग प्रॉडक्ट्स की कीमतें घटी हैं। जेएसडब्ल्यू स्टील के संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी (समूह) शेषगिरि राव ने ईशिता आयान दत्त को दिए साक्षात्कार में कहा कि तेजी के दौरान भारतीय स्टील की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुकाबले कम थी, ऐसे में इसमें वैश्विक बाजार की तरह गिरावट नहीं होगी। देसी बाजार में स्टील की कीमतें माह के शुरू में 2,000 रुपये प्रति टन से ज्यादा घटी और अंतरराष्ट्रीय कीमतें भी रिकॉर्ड स्तर से नीचे आई। क्या कीमतें सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई थी? कच्चे माल की कीमतों में नरमी से स्टील के दाम घट रहे हैं क्योंकि लौह अयस्क 230 डॉलर प्रति टन से घटकर करीब 100 डॉलर पर आ गया है। चीन की तरफ से अमेरिका, कनाडा और मंगोलिया से आयातित कोकिंग कोल 600 डॉलर के आसपास पहुंच गया था।

ओमिक्रॉन से अटकी उड़ान

इंटरनेशल फ्लाइट सस्पेंशन 31 जनवरी तक बढ़ा, एयर बबल अरेंजमेंट वाले देशों के साथ जारी रहेगी उड़ान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को देखते हुए डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंटरनेशल फ्लाइट पर लगे बैन को 31 जनवरी तक बढ़ा दिया है। इंटरनेशनल ऑल-कार्गो ऑपरेशन और स्पेशल फ्लाइट्स पर ये बैन लागू नहीं है। इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेशन पहले 15 दिसंबर से शुरू होने थे, लेकिन इस फैसले को टाल दिया गया। कोरोनावायरस महामारी के बीच भारत ने मार्च 2020 को इंटरनेशनल फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया था। हालांकि, कई देशों के साथ एयर बबल अरेंजमेंट के तहत पिछले साल जुलाई से स्पेशल इंटरनेशनल फ्लाइट्स ऑपरेट हो रही हैं। भारत के फिलहाल अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, भूटान और फ्रांस सहित लगभग 32 देशों के साथ एयर बबल अरेंजमेंट हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट का सबसे पहले साउथ अफ्रीका में पता चला था। अब ये 57 से ज्यादा देशों में फैल गया है। ओमिक्रॉन वैरिएंट को देखते हुए सरकार ने एट रिस्क कंट्रीज की लिस्ट तैयार की है। इनमें यूनाइटेड किंगडम, यूरोप के अन्य देश, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, बोत्सवाना, चीन, घाना, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, जिम्बाब्वे, तंजानिया, हांगकांग और इजराइल शामिल हैं। इस लिस्ट में सिंगापुर भी शामिल था, लेकिन सरकार ने उसे इस लिस्ट से हटाया दिया है। एट रिस्क देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सरकार ने अलग गाइडलाइन जारी की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण कोविड-19 के ओमिक्रॉन वैरिएंट का टेस्ट है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

ओप्पो का फोल्डेबल फोन : कंपनी ने 15 सेकेंड के टीजर में दिखाई FindN की पहली झलक, 15 दिसंबर को होगा लॉन्च

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओप्पो ने फाइनली अपने पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन फाइंड एन की पही झलक दिखा दी है। कंपनी ने सोशल मीडिया पर 15 सेकेंड का एक टीजर जारी किया है। इस टीजर में स्मार्टफोन की देखा जा सकता है। ये फोल्डेबल स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी ' फोल्ड से काफी मिलता नजर आ रहा है। यानी लोगों को इसे साल एक नया फोल्डेबल स्मार्टफोन मिल जाएगा। टीजर में इस फोल्डेबल फोन के चारों तरफ मेटल फिनिशिंग और दो OLED डिस्प्ले स्क्रीन नजर आ रही हैं। माना जा रहा है कि यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए कंपनी अपने सॉफ्टवेयर को इस्तेमाल कर सकती है। ये स्मार्टफोन 15 दिसंबर को लॉन्च किया जाएगा।

कुछ ऐसा है ओप्पो फाइंड एन फोल्डेबल स्मार्टफोन की टीजर

इस 15 सेकेंड के टीजर में कंपनी ने ग्रेविटी इफेक्ट को दिखाया है। एक रूम के अंदर चेयर, लैम्प, स्टूल और कई चीजों के साथ

एक आदमी भी हवा में तैर रहा है। साथ ही, ओप्पो फाइंड एन हैंडसेट भी हवा में है। फोन के चारों तफर मेटल फिनिशिंग दिख रही है। स्मार्टफोन में सामने की तरफ एक स्क्रीन दी है। ये स्क्रीन किताब की तरह खुल जाती है। जिसके बाद स्क्रीन का साइज दोगुना हो जाता है। स्क्रीन के चारों तरफ काफी पतल बेजल दिख रहे हैं। ऐसे में ये माना जा सकता है कि कैमरा को डिस्प्ले के अंदर सेटअप किया गया होगा।

ओप्पो फाइंड एन फोल्डेबल स्मार्टफोन के संभावित स्पेसिफिकेशन

इसमें 8-इंच का LTPO OLED डिस्प्ले मिलेगा, जिसका रिफ्रेश रेट 120hz होगा। ये गेमिंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाएगा। इसके कवर पर भी एक डिस्प्ले मिलेगा, जिसका रिफ्रेश रेट 60h5 होगा। फोन में 12GB तक रैम और 512GB तक इंटरनल स्टोरेज मिलेगा। इसमें एंड्रॉयड 12 बेस्ड ColorOS 12 मिलेगा। ये कई फीचर्स से लैस होगा। फोन में 4500mAh की बैटरी और 65W का फास्ट चार्जर मिलने की उम्मीद है। इसमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा। जिसमें प्राइमरी कैमरा 50 मेगापिक्सल (सोनी IMX766), 16 मेगापिक्सल का सेकेंडरी (सोनी IMX481) और 13 मेगापिक्सल लेंस होगा। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलेगा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।